संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 71 शनिवार 11 जनवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

आरजेडी नेता के 19 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

» 85 करोड के फ्रॉड लोन का मामला आया सामने

पटना, 10 जनवरी 2025(ए)। प्रवर्तन निदेशालय ने बिहार के पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के वरिष्ठ नेता आलोक मेहता के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 जनवरी 2025 को उनके 19 ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी वैशाली शहरी विकास सहकारी बैंक में 85 करोड़ रुपये के लोन फ्रॉड मामले में की जा रही है, जिसमें फर्जी लोन खातों, नकली दस्तावेजों और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप हैं। इस कार्रवाई से बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और दिल्ली में राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है।

लोन फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा मामला

आलोक मेहता पर आरोप है कि उन्होंने बैंक अधिकारियों के साथ मिलकर लगभग 400 फर्जी लोन खाता खोले और इन खातों के आधार पर नकली वेयरहाउस और एलआईसी रिसीट्स का इस्तेमाल किया। इस धोखाधड़ी के जरिए बैंक से फंड गलत तरीके से निकाले गए और मनी लॉन्ड्रिंग के माध्यम से इन पैसों को छिपाया गया। इस मामले में अब तक कई बड़े अधिकारियों के संलिप्त होने के संकेत मिल रहे हैं, जो इस गबन में शामिल थे।

नीरज कुमार का बयान

जेडीयू प्रवक्ता और एमएलसी नीरज कुमार ने इस छापेमारी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आलोक मेहता पर ईडी का शिकंजा कसा जाना इस बात का सबूत है कि महागठबंधन के नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय सक्रिय हो रही है। उन्होंने कहा कि यह दरअसल लालू यादव और तेजस्वी यादव की संगत का असर है।

आरजेडी प्रवक्ता का पलटवार

आरजेडी के प्रवक्ता शिवानंद तिवारी ने इस कार्रवाई को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताते हुए कहा कि यह एक साजिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य की सत्तारूढ़ पार्टियां विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए इस तरह की कार्रवाइयां कर रही हैं।

आलोक मेहता बिहार के प्रमुख नेताओं में से एक माने जाते हैं और वे राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता हैं। वे लालू यादव के करीबी सहयोगी माने जाते हैं, और उनके पिता तुलसी प्रसाद मेहता भी लालू यादव की सरकार में मंत्री रहे थे। आलोक मेहता ने महागठबंधन सरकार में कई महत्वपूर्ण विभागों में मंत्री के रूप में कार्य किया, जिसमें राजस्व और भूमि सुधार विभाग की जिम्मेदारी भी शामिल है। वे समस्तीपुर जिले के उजियारपुर से विधायक भी रहे हैं।

चार राज्यों में 19 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी

ईडी की टीम ने बिहार के पटना और हाजीपुर में आलोक मेहता के सरकारी और निजी आवासों पर छापेमारी की। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल के कोलकाता, उत्तर प्रदेश के वाराणसी और दिल्ली में भी एक साथ जांच की जा रही है। इस कार्रवाई से जुड़े दस्तावेजों और सबूतों की जांच की जा रही है, और इससे यह भी संभावना जताई जा रही है कि इस मामले में जल्द ही बड़ी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

ईडी की छापेमारी से हड़कंप,सियासत में गरमाई बहस

ईडी की छापेमारी के बाद बिहार में सियासत तेज हो गई है। आरजेडी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इसे केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की नीतीश कुमार सरकार की राजनीतिक साजिश बताया है। वहीं, बिहार के जेडीयू और बीजेपी नेताओं ने इस छापेमारी को महागठबंधन सरकार के खिलाफ एक जरूरी कदम करार दिया है।

वैशाली शहरी विकास सहकारी बैंक में धोखाधड़ी

ईडी की जांच वैशाली शहरी विकास सहकारी बैंक से जुड़ी हुई है, जहां 85 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी के आरोप सामने आए थे। जांच में यह पता चला कि बैंक में फर्जी लोन खातों और नकली दस्तावेजों का उपयोग करके धोखाधड़ी की गई थी। यह मामला अब भ्रष्टाचार के बड़े मामले में बदल चुका है, जिसमें बैंक अधिकारियों और बड़े व्यापारियों की संलिप्तता की जानकारी सामने आ रही है।

महत्वपूर्ण खबर

देश में बढ़ रहे हैं एचएमपीव्ही वायरस के मामले

नई दिल्ली, 10 जनवरी 2025(ए)। भारत में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के मामले बढ़ रहे हैं। अब तक देश के छह राज्यों में कुल 12 मामले सामने आए हैं। गुरुवार, 10 जनवरी को तीन नए मामलों की पुष्टि हुई। इनमें उत्तर प्रदेश के लखनऊ में 60 वर्षीय महिला, गुजरात के अहमदाबाद में 80 वर्षीय बुजुर्ग और हिम्मतनगर में सात साल का बच्चा शामिल हैं। महाराष्ट्र और गुजरात में अब तक 3-3, कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, जबकि पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में 1-1 मामले दर्ज किए गए हैं।

छात्र अब जेईई एडवांस्ड में तीसरा अटेम्प्ट दे सकेंगे ये छात्र

नई दिल्ली, 10 जनवरी 2025(ए) ।जेईई एडवांस 2025 में प्रयासों की संख्या को बढ़ाकर कम करने के मामले में दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने आदेश दिया कि 5 नवंबर से 18 नवंबर के बीच कॉलेज छोडने वाले छात्रों को संयुक्त प्रवेश बोर्ड की प्रारंभिक अधिसूचना के अनुसार तीन बार जेईई एडवांस देने की अनुमति दी जाएगी। याचिका 22 स्टूडेंट्स की ओर से दायर की गई थी। अदालत ने जॉइंट एडमिशन बोर्ड (जेएबी) को निर्देश दिए कि वह इन छात्रों को जेईई एडवांस्ड 2025 परीक्षा में बैठने की अनुमति दे। हालांकि कोर्ट ने सभी छात्रों के लिए अटेम्प्ट की संख्या तीन से घटाकर वापस दो करने के बोर्ड के फैसले में हस्तक्षेप करने से साफ इनकार कर दिया।

एक ही परिवार के पांच सदस्यों की हत्या

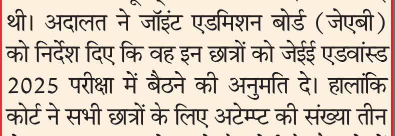

मेरठ, 10 जनवरी 2025(ए) । उत्तर प्रदेश के मेरठ से एक भयावह वारदात सामने आई है। यहां पर एक ही परिवार के पांच सदस्यों की हत्या कर दी गई। वहीं, कुछ शव बेड के अंदर छिपा दिए गए। यह घटना मेरठ के लिसाड़ी गेट के सोहेल गार्डन के पास की है। यहां पर घर के अंदर पति-पत्नी और उनकी तीन बेटियों की लाश मिली है। जानकारी के मुताबिक मृतक मोइन पेशे से राजमिस्त्री था। मोइन और उसकी पत्नी साथ के तीन बेटियों की मौत हो गई।

इंडी गठबंधन पर छाए संकट के बादल

» अब शिवसेना ने भी दिखाई आंख

मुंबई, 10 जनवरी 2025(ए)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन में दरारें उभरने लगी हैं। इस बार शिवसेना (यूबीटी) के नेता और सांसद संजय राउत ने गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस पर सीधे सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कांग्रेस पर गठबंधन को बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया है।

राउत का कांग्रेस पर आरोप

संजय राउत ने कहा लोकसभा चुनाव में सफलता के बावजूद दल में निष्क्रियता है। उन्होंने याद दिलाया कि लोकसभा चुनाव में इंडी गठबंधन ने साथ मिलकर अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके बावजूद, कांग्रेस ने गठबंधन को मजबूत करने के लिए जरूरी कदम नहीं उठाए। राउत ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद से गठबंधन की कोई बैठक तक आयोजित नहीं हुई है। इतना ही नहीं राउत ने कहा, गठबंधन को जीवित रखना सबकी जिम्मेदारी थी, खासतौर पर कांग्रेस की। लेकिन उन्होंने इसमें कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई।।

गठबंधन के अन्य नेताओं का असंतोष

संजय राउत ने इस बात को भी उजागर किया कि अन्य सहयोगी दलों के नेता, जैसे ममता बनर्जी (टीएमसी),अखिलेश यादव (सपा), अरविंद केजरीवाल (आप),और उमर अब्दुल्ला (नेशनल कांफ्रेंस), भी कांग्रेस के रवैये से नाराज हैं। उन्होंने कहा, इन नेताओं का कहना है कि अब इंडी गठबंधन का कोई वजूद नहीं बचा है।

गठबंधन पर संदेह और टूटने की संभावना

राउत ने कहा कि गठबंधन में कोई तालमेल, चर्चा या संवाद नहीं है। यह स्थिति गठबंधन के अस्तित्व पर सवाल खड़े कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर गठबंधन एक बार टूट गया, तो इसे दोबारा बनाना असंभव हो जाएगा।

ममता और अखिलेश ने भी जताई थी नाराजगी

इससे पहले, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी कांग्रेस पर खुलकर नाराजगी जताई थी। ममता ने कांग्रेस पर राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दलों को एकजुट करने में असफल रहने का आरोप लगाया।अखिलेश ने कांग्रेस पर उत्तर प्रदेश में सहयोग न करने का आरोप लगाया।

क्या कहती है कांग्रेस

अब तक, कांग्रेस की ओर से इन आरोपों पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, पार्टी के कुछ नेता इस स्थिति को नजरअंदाज करते हुए इसे अस्थायी मतभेद करार दे रहे हैं।

क्या टूट जाएगा इंडी गठबंधन

शिवसेना (यूबीटी) और अन्य दलों की नाराजगी ने गठबंधन के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि कांग्रेस नेतृत्व जल्द सक्रिय नहीं हुआ, तो यह गठबंधन टूट सकता है। यह न केवल विपक्षी दलों के लिए झटका होगा, बल्कि 2024 के आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ उनकी रणनीति को भी कमजोर करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने-ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर को दी राहत

जीएसटी नोटिस पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 10 जनवरी 2025(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कई ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को जारी किए गए 1.12 लाख करोड़ रुपये के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कारण बताओ नोटिस' पर रोक लगा दी, जिससे इस सेक्टर को अस्थायी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने मामले के अंतिम निपटारे तक डीजीजीआई द्वारा जारी सभी कारण बताओ नोटिस' के संबंध में आगे की सभी कार्यवाही पर रोक लगा दी।मामले की अंतिम सुनवाई 18 मार्च को तय की गई है। फैसले के बाद, स्टॉक एक्सचेंजों पर इंट्रा-डे ट्रेड के दौरान डेल्टा कॉर्प और नाजारा टेक जैसी गेमिंग कंपनियों के शेयरों में 7 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। ई-गेमिंग फेडरेशन (ईजीएफ) के सीईओ अनुराग सक्सेना ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई राहत का स्वागत किया।सक्सेना ने कहा, यह सरकार और गेमिंग ऑपरेटर्स दोनों के लिए फायदेमंद है। गेमिंग ऑपरेटर्स के लिए जो जबरदस्ती की कार्रवाई का सामना कर रहे थे और सरकार के लिए जिसकी समयसीमा अब बढ़ाई जा सकती है। हम इस मुद्दे के निष्पक्ष और प्रगतिशील समाधान को लेकर आश्वस्त हैं, जिसके बाद हम गेमिंग सेक्टर में निवेश, रोजगार और वैल्यूएशन को अपनी पूरी क्षमता तक बढ़ते देखेंगे।

आप ने भाजपा नेताओं को बताया गालीबाज दानव

बीजेपी बोली-पूर्वांचल विरोधी हैं केजरीवाल

नई दिल्ली, 10 जनवरी 2025(ए) । दिल्ली में विधानसभा चुनाव के प्रचार के बीच राजनीतिक दलों के बीच पोस्टर वॉर जारी है। आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को एक नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में उन्होंने बीजेपी नेताओं को गालीबाज बताया है। आम आदमी पार्टी ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्टर शेयर किया है। उन्होंने पोस्टर को कैप्शन दिया, भाजपा के गालीबाज दानवों से दिल्ली रहे सतर्क।

इस पोस्टर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वीरेंद्र सचदेवा, विजेंद्र गुप्ता, प्रवेश वर्मा, मनोज तिवारी, रमेश बिधूड़ी की तस्वीर लगाई गई है। इस पोस्टर को 'गालीबाज दानव' नाम दिया गया है।

वहीं, आम आदमी पार्टी के पोस्टर के जवाब में भाजपा ने भी पलटवार किया है। दिल्ली भाजपा ने अपने एक्स अकाउंट पर अरविंद केजरीवाल की एक हंसती हुई तस्वीर को शेयर किया। उन्होंने 'आप' को पूर्वांचल विरोधी बताया है।

भाजपा ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, पूर्वांचल समाज का अपमान, शीशमहल के नवाब केजरीवाल की पहचान।

इतना ही नहीं, पोस्टर में लिखा गया है कि पूर्वांचलियों का दुश्मन, पूर्वांचलियों को फर्जी बताया, कोरोना में उन्हें भगाया। जब भी मिला मौका महाठग ने उनका मजाक उड़ाया।

1.30 करोड़ का सोना ले जाते 3 लोग गिरफ्तार

जयपुर, 10 जनवरी 2025 (ए)। राजस्थान पुलिस ने अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान के दौरान डूंगरपुर जिले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से 1.30 करोड़ रुपये का सोना और 22.49 लाख रुपये नकद जब्त किए गए, एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बिछीवाड़ा थाना प्रभारी कैलाश सोनी ने बताया कि उन्हें गुरुवार रात एक बस में तीन लोगों द्वारा अवैध रूप से सोना और नकदी ले जाने की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि पुलिस की एक टीम ने गुजरात के पास राजस्थान के बिछीवाड़ा में रतनपुर सीमा पर नाकाबंदी की। तीनों संदिग्ध एक बैग लेकर बस से उतरे। सोनी ने बताया कि जब उनकी हरकतें संदिग्ध लगीं तो पुलिस ने तीनों युवकों को रोका और उनसे पूछताछ की। तलाशी के दौरान करीब 1 किलो 478 ग्राम सोना और आभूषण मिले, जिनकी कीमत करीब 1.30 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि 22.49 लाख रुपये की नकदी भी बरामद की गई। सोनी ने बताया कि तीनों युवक सोने और नकदी के स्रोत के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए, इसलिए पुलिस ने सामान जब्त कर लिया।

पार्टी प्रमुख के पद से सुखबीर बादल का इस्तीफा स्वीकार किया गया

चंडीगढ़, 10 जनवरी 2025(ए) । शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की कार्यसमिति ने शुक्रवार को पार्टी प्रमुख के पद से सुखबीर सिंह बादल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। पार्टी नेताओं ने यह जानकारी दी। अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने बादल के इस्तीफे को स्वीकार करने के निर्देश का हवाला देते हुए शिअद से 2 दिसंबर के आदेश को जल्द से जल्द लागू करने को कहा था। पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यसमिति की बैठक में बादल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया। इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बादल ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

कोर्ट की अनुमति के बिना कोई पेड़ नहीं काटा जाएगा

नई दिल्ली, 10 जनवरी 2025(ए) । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बृहन्मुंबई नगर निगम के वृक्ष प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह मुंबई की आरे कॉलोनी में उसकी अनुमति के बिना कोई और पेड़ नहीं काटने दे। जस्टिस अभय एस ओका और अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि प्राधिकरण आवेदनों पर कार्रवाई कर सकता है और फिर अदालत से आदेश मांग सकता है। यह आदेश मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) द्वारा पीठ को सूचित किए जाने के बाद आया है कि क्षेत्र में और पेड़ों को काटने का कोई प्रस्ताव लंबित नहीं है। शीर्ष अदालत ने सुनवाई 5 मार्च के लिए निर्धारित की है। शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र सरकार को यह बताने का निर्देश दिया था कि क्या आरे जंगल में और पेड़ काटने का कोई प्रस्ताव है।

दिल्ली चुनाव में आप व कांग्रेस दोनों का सुपड़ा होगा साफ़:जयराम

शिमला, 10 जनवरी 2025(ए) । । हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने दावा किया कि दिल्ली में इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रचंड बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाएगी। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) का इस विधानसभा चुनाव में सुपड़ा साफ हो जाएगा। ठाकुर ने यहां जारी बयान में कहा कि झूठ के हाथ पांव नहीं होते हैं और यह बहुत जल्दी बेनकाब हो जाता है। कांग्रेस और आप का विकास और गरीब विरोधी चेहरा पूरी तरीके से बेनकाब हो चुका है। इसलिए वे दिल्ली में चाहे जितने झूठ बोल लें या चाहे जितनी कसमें खा ले एक भी दिल्ली वासी अब आप और कांग्रेस की बातों पर ऐतबार नहीं करेगा।

CMYK

संपादकीय

लोगों को प्यासा रखना नैतिक अपराध

पचपन साल पहले केन-बेतवा परियोजना की परिकल्पना की गई थी। मगर आज भी बुंदेलखंड के लोग पानी किल्लत झेल रहे हैं। अभी कई और वर्ष उन्हें इंतजार करना होगा। क्या इतनी लेटलतीफी किसी ऐसे देश में हो सकती है, जो विकसित हुआ हो केन-बेतवा परियोजना इसकी मिसाल है कि विकास के पैमानों पर भारत क्यों अपनी संभावनाओं को हासिल नहीं कर पाया। ध्यान दीजिए परियोजना की परिकल्पना सबसे 1970 में की गई, जब मशहूर इंजीनियर एवं तत्कालीन सिंचाई मंत्री डॉ. केएल राव ने पानी की किल्लत वाले इलाकों में पानी पहुंचाने के मकसद से इन दोनों नदियों को जोडऩे का प्रस्ताव तैयार किया। सिंचाई मंत्रालय को इसकी योजना तैयार करने में दस साल लग गए। 1980 में तैयार योजना के प्रारूप पर संभाव्यता अध्ययन 1995 में शुरू हुआ।1999 में संबंधित राज्यों उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के बीच सहमति बनाने के लिए समिति बनी। 2008 में जाकर संबंधित योजना केंद्र ने बनाई। 2010 में परियोजना के प्रथम चरण की संभाव्यता अध्ययन रिपोर्ट तैयार हुई। 2014 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने परियोजना को मंजूरी दी। 2021 में यूपी और मप्र ने केंद्र को अपनी सहमति दी। 2023 में इसे वन मंत्रालय की मंजूरी मिली। और 2024 के आखिर में जाकर इस पर अमल की शुरुआत की गई है। फिलहाल, बताया गया है कि इस पर 44,605 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पुराने अनुभवों के आधार पर आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि काम पूरा होते-होते ये खर्च काफी बढ़ चुका होगा। इस बीच बुंदेलखंड के लोग पानी किल्लत झेलते रहे हैं तथा अभी कई और वर्षों तक उन्हें इसके लाभ का इंतजार करना होगा।क्या इतनी लेटलतीफी का कल्पना किसी ऐसे देश में की जा सकती है, जो विकसित हुआ हो या वास्तविक विकास की मार्ग पर आगे बढ़ रहा हो? आज फैशन भारत और चीन की विकास यात्राओं के बीच तुलना करने का है। ये अक्सर पूछा जाता है कि हम क्यों पीछे रह गए? इसका एक नायाब जवाब केन-बेतवा परियोजना है। बहरहाल, अब इस पर काम शुरू हुआ है, तो इसे फुर्ती से और समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाना चाहिए। बीच में पर्यावरण संबंधी कोई मुद्दा हो, जैसाकि कांग्रेस की तरफ उठाया गया है, तो उसे आधुनिक वैज्ञानिक विधियों से हल किया जाना चाहिए। लेकिन पर्यावरण की अभिजात्यवादी धारणों से बंध कर बुंदेलखंड के लोगों को प्यासा रखना एक किस्म का नैतिक अपराध होगा।

कौन बनेगा दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री ?

दिल्ली की चुनावी लड़ाई बहुत ज्यादा दिलचस्प होने जा रही है देश की राजधानी दिल्ली में 5 फरवरी को होने जा रहे मतदान में मुख्य मुकाबला अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी के बीच में होने जा रहा है

चुनाव आयोग ने दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को बतौर सीईसी अपनी आखिरी प्रेस कांफ्रेंस में दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीख का ऐलान करने के साथ ही अपने ऊपर लगाए जा रहे तमाम आरोपों का भी एक-एक करके जवाब देने की कोशिश की।

दिल्ली में इस बार मतदाताओं की संख्या एक करोड़ 55 लाख 24 हजार 858 है जिसमें से महिला मतदाताओं की संख्या 71 लाख 73 हजार 952 है। जाहिर तौर पर, देश के कई अन्य राज्यों की तरह दिल्ली में भी महिला मतदाता, चुनावी जीत-हार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं।

हालांकि इस बार दिल्ली की चुनावी लड़ाई बहुत ज्यादा दिलचस्प होने जा रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 5 फरवरी को होने जा रहे मतदान में मुख्य मुकाबला अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी के बीच में होने जा रहा है। अरविंद केजरीवाल के लिए इस बार का विधानसभा चुनाव, उनके अस्तित्व के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण और निर्णायक चुनाव होने जा रहा है। दिल्ली के मुकाबले कहीं ज्यादा बड़े और महत्वपूर्ण राज्य- पंजाब में सरकार होने के बावजूद देश की राजधानी दिल्ली का केजरीवाल के लिए अपना महत्व है। अगर केजरीवाल दिल्ली का यह विधानसभा चुनाव जीत नहीं पाते हैं तो आम आदमी पार्टी पर उनकी पकड़ कमजोर हो जाएगी और साथ ही विपक्षी इंडिया गठबंधन में भी उनका दबदबा कमजोर होता चला जाएगा। घोटाले के आरोप में जेल तक की यात्रा करने वाले अरविंद केजरीवाल यह बखूबी जानते और समझते हैं कि दिल्ली की हार एक बार फिर से उन्हें राजनीतिक रूप से अछूत बना देगी। क्योंकि विपक्षी गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के दौरान भले ही मजबूरी में कई राज्यों में आप के साथ गठबंधन किया था लेकिन सच्चाई तो यही है कि सोनिया गांधी इस देश की राजनीति में नीतीश कुमार और अरविंद केजरीवाल पर कतई भरोसा नहीं करती है।

इस बार के दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और गांधी परिवार की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण हो गई है। वर्ष 2020 में, दिल्ली में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में भले ही कांग्रेस को सिर्फ 4.26 प्रतिशत मत मिला था और वह एक भी सीट नहीं जीत पाई थी लेकिन इस बार कांग्रेस ने पूरी ताकत के साथ दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ने का संकेत दिया है। कांग्रेस आलाकमान ने नई दिल्ली विधानसभा सीट से आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को चुनावी मैदान में उतार कर अपने इरादे साफ कर दिए हैं।

कांग्रेस के वोट बैंक को छीनकर ही आम आदमी पार्टी दिल्ली में मजबूत हुई है और अब अगर कांग्रेस अपने उस छीने हुए वोट बैंक के छोटे से हिस्से को भी वापस लेने में कामयाब हो जाती है तो फिर केजरीवाल सहित आप के सभी उम्मीदवारों के लिए दिक्कतें खड़ी हो जाएगी। वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में 53.57 प्रतिशत मत के साथ आप को 62 सीटें मिली थी जबकि 38.51 प्रतिशत मत पाने के बाद भी भाजपा के खाते में सिर्फ 8 सीटें ही आ पाई थी। आप और भाजपा के बीच 15.06 प्रतिशत का अंतर था। अगर कांग्रेस इस बार के विधानसभा चुनाव में अपने मत प्रतिशत में 8-10 प्रतिशत का भी इजाफा कर पाती है तो फिर दिल्ली में त्रिशंकु विधानसभा बन सकती है यानी आम आदमी पार्टी को सत्ता से बाहर होना पड़ सकता है।

दिल्ली के चुनावी समीकरण से यह बिल्कुल साफ होता नजर आ रहा है कि आप और भाजपा के मुकाबले में सबसे कमजोर नजर आ रही कांग्रेस के आलाकमान यानी गांधी परिवार ने अगर पूरी ताकत के साथ दिल्ली में विधानसभा का चुनाव लड़ा तो फिर राहुल गांधी ही यह तय करेंगे कि दिल्ली में अगली सरकार किसकी बनेगी ? वास्तव में दिल्ली का यह चुनाव राहुल गांधी के लिए फैसला करने वाला चुनाव होगा कि वह वाकई अपनी पार्टी कांग्रेस को मजबूत करना चाहते हैं या फिर दिल्ली में इंडिया गठबंधन की एकता के नाम पर अपनी पार्टी को कुर्बान कर देते हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

-संतोष पाठक-

भारत विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना

भारत में आर्थिक प्रगति की दर लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से बढ़ रही है। भारत विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है।भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत का वैश्विक व्यापार द्रुत गति से बढ़ रहा है। कुल मिलाकर भारत अर्थ के क्षेत्र में विश्व में चमकते सितारे के रूप उभर रहा है। लगातार तेज आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है।हाल में अमेरिका में जारी यूबीएस बिल्यनेर एंबिशन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिलिनायर (अतिधनाढयों) की संख्या 185 तक पहुंच गई है और भारत विश्व में बिलिनायर की संख्या की दृष्टि से तीसरे स्थान पर आ गया है। बिलिनायर अर्थात वह नागरिक जिसकी संपत्ति 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है (यानी भारतीय मुद्रा में 8,400 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति)। पहले स्थान पर अमेरिका (835 बिलिनायर) है और दूसरे स्थान पर चीन (427 बिलिनायर) है।पूरे विश्व में आज बिलिनायर की संख्या 2682 तक पहुंच गई है जबकि 2015 में यह संख्या 1757 थी। पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में बिलिनायर की संपत्ति 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 9,560 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई जबकि अमेरिका में बिलिनायर की संपत्ति 2023 में 4 लाख 60 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़ कर 2024 में 5 लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। पूरे विश्व में बिलिनायर की संपत्ति बढ़ कर 14 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। इस रिपोर्ट यह संभावना भी जताई गई है कि आने वाले 10 वर्षों में भारत में बिलिनायर की संख्या में और तेज गति से वृद्धि होगी। भारत में 108 से अधिक पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न परिवार भी हैं, जो अपने व्यवसाय को भारतीय पारिवारिक परंपरा के अनुसार बढ़ा रहे हैं, और भारत में बिलिनायर की संख्या में वृद्धि और भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं। भारतीय बिलिनायर की संख्या भारत में ही नहीं बढ़ रही है, बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय भी बिलिनायर की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं और अपनी आय के कुछ हिस्से को भारत में भेज कर यहां निवेश कर रहे हैं, और इस प्रकार अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारत के आर्थिक विकास में योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के नागरिकों का महती योगदान रहता है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में रह रहे हैं, और हर साल अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं।हाल में वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी एक रिपोर्ट बताया गया है कि 2024 में 12,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि अन्य देशों में रह रहे भारतीयों ने भारत में भेजी है। भारत पिछले कई वर्षों से इस दृष्टि पूरे विश्व में पहले स्थान पर कायम है। 2021 में 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर, 2022 में 11,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर, 2023 में 12,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई थी। प्रति वर्ष भारत में भेजी जाने वाली राशि की तुलना यदि अन्य देशों में भेजी जा रही राशि से करें तो ध्यान में आता है कि 2024 में मेक्सिको में 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी, जिसे पूरे विश्व में इस दृष्टि से दूसरे स्थान प्राप्त हुआ है। मेक्सिको में भेजी गई राशि भारत में भेजी गई राशि की तुलना में लगभग आधी है। भारतीय नागरिकों द्वारा अन्य देशों से भेजी जा रही राशि में उत्तरी अमेरिका, यूरोप, खाड़ी के देशों और एशिया के कुछ देशों यथा मलयेशिया और सिंगापुर का प्रमुख योगदान है। जैसा कि विदित है कि हर साल भारत से लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दृष्टि से विकसित देशों की ओर जाते हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत भारतीय युवा इन देशों में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं, और अपनी बचत राशि का बड़ा भाग भारत में भेज देते हैं। भारत के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के संग्रहण में यह राशि बड़ी भूमिका निभा रही है। 2024 में पूरे विश्व में 68,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि विभिन्न देशों के नागरिकों द्वारा अपने-अपने देशों को भेजी गई। यह राशि 2023 में भेजी गई राशि से 5.8 प्रतिशत अधिक है। पूरे विश्व में विभिन्न देशों में निवास कर रहे नागरिकों द्वारा भेजी गई राशि में से 20 प्रतिशत से अधिक की अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीयों द्वारा ही अकेले भारत में भेजी गई। इस प्रकार, भारतीय मूल के नागरिकों की संपत्ति न केवल भारत, बल्कि अन्य देशों में भी बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है।

-प्रह्लाद सबनानी-

मैं क्या करूँ ?

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर बिहार

यह सबसे बड़ा सवाल है प्रत्येक मनुष्य के जीवन का। आखिर मैं क्या करूँ? यहाँ एक छोटे से नादान बच्चे की बात करते हैं जो मात्र कुछ दिनों का है उसें भूख लगती है तो वो मन में ही सोचता है आखिर मै क्या करूँ, जिससे मेरी माता मुझे दूध पीला दे। पहले वो बच्चा सोचा और उसके बाद उसे उत्तर मिलता है -फिर वो रोना लगता है जिससे उसकी माता को यह पता चलता है कि मेरे बच्चें को भूख लगा है। अब यहाँ माता की बात करते हैं। जब कोई लड़की शादी के पवित्र बंधन में बँधती है। तो वो अपने जीवन के एक नए अध्याय को शुरु करती है। एक लड़की जो अपने मायके में मस्त-मौली थी वो अब ससुराल की नई-नवली बहु है। जिसका अभी-अभी बच्चा हुआ है और वो रो रहा है। तब वो लड़की यानि उस बच्चे की माता सोचती है- आखिर मैं क्या करूँ ? , जिससे ये चुप हो जाए। पहले वो सोचती है और उसके बाद ही उसको उत्तर मिलता है। फिर वो धीरे-धीरे बच्चे के रोने को समझती है। उसके रोने से उसकी चाहत को समझ जाती है।जिंदगी बहुत लम्बी, यादगार, कुछ सीखने व सिखाने के लिए ही होती है। अभी तक हमने एक बच्चे व माता की बात बताई है अब इस कहानी में दादा-दादी, नाना-नानी, सास-ससुर और पतिदेव का स्वागत करते हैं। किसी भी घर के लिए वटवृक्ष हमारे दादा-दादी या नाना-नानी होते हैं। इनके छाए में बहुत कुछ सीखने को मिलता है। घर में सास-ससुर का होना सौभाग्य है और पतिदेव के साथ रहना सौभाग्यशाली होता है लड़कियों के लिए। इस लड़की की सास यानि लड़के की माँ जब तक अपने बेटे की शादी नहीं करवाई थी तब तक ये हमेशा यही कहती थी - आखिर मै क्या करूँ ? जिससे इसकी शादी हो जाए और अब जब शादी हो चूँकि है। तब ये कहती है -आखिर मै क्या करूँ ? जिससे भगवान का धन्यवाद कर सकूँ। इतनी प्यारी बहु के लिए। वही इसके ससुर अपने बेटे को कहता है - आखिर मै क्या करूँ?? तुमने मुझे दादा बना दिया है। मुझे तो कुछ समझ नहीं आ रहा है। तुमने तो सारी खुशियाँ दे दी। इतना कहते ही पति-पत्नी, सास ससुर सब लोग मिलकर नन्हे मेहमान के एक महीने होने का जश्न मनाते हैं और घर के सभी लोगों को बुलाते हैं। अब इस घर के वटवृक्ष यानि दादा-दादी, नाना-नानी सोचते हैं। इतना ठंड पड़ रहा है ऐसे में हम क्या ही जाएगें पार्टी में। दिल तो बहुत हैं कि जाँऊ लेकिन शरीर साथ नहीं दे रहा है ऊपर से इतना ठंडा। फिर आपस में काफी विचार करते हैं फिर कहते हैं -आखिर मै क्या करूँ ?? यहाँ पहले ये लोग सोचते हैं और उसके ही उन्हें उत्तर मिलता है । नाना-नानी, दादा-दादी सबके लिए गाड़ी भेजी गई जिससे उन्हें इस ठंड में आने पर कोई दिक्कत ना हो। अब दादा-दादी, नाना-नानी, सास-ससुर, पति-पत्नी सभी मिलकर एक नन्हे से मेहमान का जन्मदिन मना रहे हैं और इस पार्टी में काफी मेहमान भी आने वाले थे तो सभी मिल-जुलकर घर का सजावट करने लगे। सारी तैयारी हो गई तभी कैमारेमैन का कॉल आया। लड़की के पतिदेव के पास - सर, मेरी बेटी की तबीयत बहुत खराब हो चूकी है और मै आज आपके जन्म उत्सव में नहीं आ पाऊँगा और आपने जो पैसा दिया था वो हम वापस कर दे। तब पतिदेव कहते हैं -नही, नही! आप पैसे वापस मत कीजिए,अपनी बेटी का सही इलाज करवा लिजिए और हाँ आप सभी के कारण ही तो हम इस पल को यादगार बना पाते हैं। अगर कोई और कैमरामैन हो तो बताए। तब वो बोलता है-माफी चाहुँगा,अभी तो कोई नहीं है सर। तब पतिदेव बोले- ठीक है कोई नहीं। अब पति, अपनी पत्नी को बताता है कि कैमरामैन नहीं आने वाला है। फोटो कौन खींचेगा। आखिर मै क्या करूँ? अभी तो कोई कैमरामैन मिलेगा भी नहीं। पहले ये लोग मिलकर सोचते हैं और फिर इन्हें उत्तर मिलता है। कभी मै खीचूँगी तो कभी आप खींच लेना। ऐसे करते हुए नन्हे मेहमान का जन्म उत्सव मनाया गया। समय के साथ वो नन्हा मेहमान बड़ा होने लगा। और उसके जिदंगी में कई प्रश्न आए जिसमें वो बार-बार कहता अब मै क्या करूँ ? जितनी बार वो सोचता उतनी बार उसे खुद उत्तर मिलता गया और जिदंगी में वो कामयाब हो गया। इस कहानी से हमें यह सीख मिली कि इस दुनिया के हर इंसान के जीवन में यह प्रश्न हमेशा आता है आखिर मै क्या करूँ? और इंसान को स्वंय सोचना होता है ताकि उसे उत्तर मिल सकें और कार्य कर सकें।

टेक्नोलॉजी के विपरीत क्या फैसला देना उचित

मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर खेले गए भारत- ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथे टेस्ट में आखिरी दिन भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल को जिस तरह से आउट दिया गया, उसने एक नई बहस छेड़ दी है कि क्या टेक्नोलॉजी के विपरीत फैसला देना उचित है।इस विवादास्पद फैसले का परिणाम पर क्या असर हुआ, यह अलग मसला है। हालांकि यशस्वी जिस समय आउट दिए गए, वह 84 रन पर खेल रहे थे और वह भारत को ड्रा की तरफ ले जाते नजर आ रहे थे। बहुत संभव है कि यह आउट नहीं दिया जाता तो मैच का परिणाम ड्रा रहता।यशस्वी और ऋषभ पंत के खेलते समय भारत अच्छी स्थिति में नजर आने लगा था और ऑस्ट्रेलिया विकेट की जरूरत महसूस कर रहा था। इसी दौरान पैट कमिंस की लेग साइड पर ऊपर आती गेंद पर यशस्वी ने पुल करने का प्रयास किया और गेंद विकेटकीपर कैरी के ग्लब्स में चली गई। इस पर की गई अपील को अंपायर जोएल विल्सन के नकारे जाने पर पैट कमिंस ने डीआरएस लिया। स्लो मोशन में थर्ड अंपायर शरफुद्दौला को दिखा कि गेंद की ग्लब्स या बल्ले से लग कर दिशा बदली है। पर जब उन्होंने स्निको मीटर को देखा तो उसमें कोई हलचल नहीं दिखी। शरफुद्दौला ने गेंद की दिशा बदलने की वजह से आउट देने का फैसला किया जो विवादास्पद बन गया। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कमेंट्री करते समय इस फैसले पर नाखुशी जाहिर की। उनका कहना था कि जब आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हैं तो उसके हिसाब से ही फैसला करना चाहिए था यानी जब स्निको मीटर में कोई हलचल नहीं हुई तो यशस्वी को नॉट आउट दिया जाना चाहिए था क्योंकि मैदानी अंपायर ने उन्हें नॉट आउट दिया था। वैसे भी नियमों के मुताबिक थर्ड अंपायर मजबूत साक्ष्य होने पर ही मैदानी अंपायर के फैसले को बदलता है और यहां स्पष्ट साक्ष्य नहीं था। वैसे भी कई बार गेंद देर तक स्विंग करती है, जिससे कई बार उसके बल्ले से लगने का भ्रम हो जाता है और इस मामले में भी कुछ ऐसी ही स्थिति थी। गेंद बल्ले या ग्लब्स से लगती तो स्निकोमीटर में कोई न कोई हलचल जरूर होती।वहीं रवि शास्त्री ने तो कहा कि इस सीरीज में अंपायर ऑस्ट्रेलिया के लिए छठे गेंदबाज की भूमिका निभा रहे हैं। इस सीरीज के पर्थ टेस्ट में केएल राहुल के कैच नहीं दिए जाने के समय साफ दिख रहा था कि गेंद उनके बल्ले से लगी है, पर स्निको मीटर में हलचल नहीं दिखने की वजह से उन्हें कैच नहीं दिया गया था, इसलिए तकनीक को लेकर एकरूपता होनी चाहिए। अब सवाल है कि जब अंपायर स्निको मीटर को वरीयता दे रहे हैं तो उन्हें इस मसले पर भी यही नियम अपनाना चाहिए था। पिछले एक-दो दशक से फैसलों को त्रुटिहीन बनाने के उद्देश्य से ही आईसीसी तनकीक के इस्तेमाल पर जोर दे रहा है पर जब तकनीक का सही इस्तमेल नहीं होगा तो खिलाडिय़ों का इस पर से भरोसा उठ सकता है। अंपायर्स कॉल का काफी समय से विरोध होता रहा है। इसमें किसी फैसले को लेकर अंपायर क्या सोचता है, इसका खिलाडिय़ों को कई बार नुकसान और कई बार फायदा होता है। इस नियम के हिसाब से यदि अंपायर ने किसी बल्लेबाज को एलबीडब्लयू दे दिया है और डीआरएस लेने पर गेंद विकेट से छू गई है तो वह आउट हो जाएगा। दूसरी तरफ अंपायर ने आउट नहीं दिया है तो गेंद के विकेट को छू लेने भर से वह आउट हो जाएगा, इसलिए बेहतर हो कि गेंद विकेट को छू भर ले तो आउट दिया जाए, ऐसी तकनीक विकसित करके फैसलों को त्रुटिहीन बनाया।यशस्वी तीसरे अंपायर के फैसले से संतुष्ट नहीं थे। इसलिए फैसला आने पर मैदान छोडऩे से पहले वह मैदानी अंपायरों से कुछ कहते सुने गए। इस पर मैदान में भारी तादाद मौजूद भारतीय समर्थक बेईमान-बेईमान के नारे बुलंद करते नजर आए। अच्छी बात है कि आज कहीं भी क्रिकेट खेली जाए भारतीय दर्शकों की मौजूदगी रहती ही है। मेलबर्न मैदान पर सर्वाधिक दर्शकों का 88 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। इस टेस्ट को देखने के लिए 373651 दर्शक पहुंचे। इससे पहले 1937 में ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड टेस्ट को 350534 दर्शकों ने देख कर रिकॉर्ड बनाया था। इससे यह भी साबित होता है कि यदि टेस्ट मैचों में अच्छी क्रिकेट खेली जाए तो वहां भी दर्शकों को टोटा नहीं रहता। यशस्वी के खिलाफ फैसले पर विवाद होने की वजह से तीखी प्रतिक्रियाएं जरूर आ रही हैं।इस संबंध में पूर्व अंपायर साइमन टाफेल का कहना है कि मेरे विचार में फैसला आउट था और मेरी निगाह में तीसरे अंपायर ने फैसला सही किया। तकनीक प्रोटोकाल के साथ हम साक्ष्य भी देखते हैं। अगर अंपायर को लगता है कि गेंद की बल्ले से लगकर दिशा बदली है तो उसे तकनीक के उपयोग की जरूरत नहीं है। गेंद की दिशा में मामूली बदलाव भी महत्वपूर्ण साक्ष्य है। स्निको मीटर का संचालन बीबीजी स्पोर्ट्स करता है। इसके डायरेक्टर वॉरेन ब्रिनेन का कहना है कि स्निको मीटर में हलचल नहीं होने पर मैंने ऑडियो डायरेक्टर से पूछा तो उसने कहा कि किसी तरह की आवाज नहीं आई। वह कहते हैं कि ऐसी स्थिति में सिर्फ हॉट स्पॉट से ही किसी फैसले पर पहुंचा जा सकता था, लेकिन आईसीसी आजकल इसका इस्तेमाल नहीं कर रही है।

-मनोज चतुर्वेदी-

कविता
हिन्दी मेरे उर बसे

घटती-घटना

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार
हरियाणा

आन-बान सब शान है, और हमारा गर्व।
हिंदी से ही पर्व है, हिंदी सौरभ सर्व।।
हिंदी हृदय गान है, मृदु गुणों की खान।
आखर-आखर प्रेम है, शब्द- शब्द है ज्ञान।।
बिंदिया भारत भाल की, हिंदी एक पहचान।
सैर कराती विश्व की, बने किताबी यान।।
प्रीत प्रेम की भूमि है, हिंदी निज अभिमान।
मिला कहाँ किसको कहीं, बिन भाषा सम्मान।।
वन्दन, अभिनन्दन करे, ऐसा हो गुणगान।
ग्रंथन हिंदी का कर लो, तभी मिले सम्मान।।
हिंदी भाषा रस भरी, रखती अलग पहचान।
हिंदी वेद पुराण है, हिंदी हिन्दुस्तान।।
हिंदी की मैं दास हूँ, करूँ मैं इसकी बात।
हिंदी मेरे उर बसे, हिंदी हो जज्बात ।।
निज भाषा का धनी जो, वही सही धनवान।
अपनी भाषा सीख कर, बनता व्यक्ति महान।।
मौसम बदले रंग ज़ब, तब बदले परिवेश।
हो हिंदीमय स्वयं जब, तभी बदलता देश।।
निज भाषा बिन ज्ञान का, होता कब उत्थान।
अपनी भाषा में रचे, सौरभ छंद सुजान।।
एक दिवस में क्यों बंधे, हिन्दी का अभियान।
रचे बसे हर पल रहे, हिन्दी हिन्दुस्तान।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

लखनपुर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कोयले की जा रही तस्करी

बाहरी और स्थानीय तस्कर हुए सक्रिय

- मनोज कुमार -
लखनपुर, 10 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर क्षेत्र में कोयला तस्कर बड़े पैमाने पर कोयला तस्करी का खेल रहे है। बाहरी कोल माफिया स्थानीय कोल माफिया के साथ मिलकर बाइकर्स गैंग की मदद से कोयला एकत्रित कर पिकअप और ट्रक के माध्यम से अवैध कोयला परिवहन कर दूसरे राज्यों में कोयला तस्करी की जा रही है। सूचना के बाद भी पुलिस इन कोल तस्करों पर कार्यवाही करने से कतरा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक लखनपुर थाना क्षेत्र के अमेरा खदान के सीमा पर स्थित कटकोना से तस्करों के द्वारा स्थानीय ग्रामीणों की मदद अवैध गड्ढा खुदवाकर बड़े स्तर से कोयला बाहर निकलवाया जाता है। वहीं बाइकर गैंग की मदद से उन कोयलो को ग्राम सिरकोतगा, सुकरी ,केवरा, पुहपुतरा सहित अन्य ईट भट्टे में कोयला एकत्रित कर रात के अंधेरे में पिकप और ट्रक में भरकर दूसरे राज्यों में कोयला की तस्करी की जा रही है। बताया जा रहा है कि कोल माफियाओं के द्वारा बाइकर्स गैंग को 50-50 हजार रुपए और बाइकर्स को ? 20-20 हजार रुपए एडवांस के रूप में रकम दिया गया है और इन्हीं बाइकर्स गैंग की मदद से बड़े पैमाने पर कोयला तस्करी के खेल को कोल माफिया अंजाम दे रहे हैं। कोयला तस्करी को लेकर कई बार पुलिस को सूचना मिली परंतु पुलिस कार्रवाई करने से कतरा रही है। बताया जा रहा है कि बाहर के कोल माफियाओ द्वारा स्थानीय कोल माफिया से मिलकर इस पूरे खेल को अंजाम दिया जा रहा है। सूचना के बाद बीच में पुलिस के द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है। पिछ्ले माह में पुलिस टीम के द्वारा 6 से अधिक बाइकर्स गैंग के सदस्यों को कोयला परिवहन करते पकड़ा गया था।लगभग आधा ट्रैक्टर कोयला भी जप्त कर थाना लाया गया था। लेकिन पुलिस ने किसी भी बाइकर्स बैंक के खिलाफ न तो कार्रवाई की गई और लखनपुर थाने परिसर में रखा कोयला भी गायब हो गया इस घटना से पुलिस प्रशासन के ऊपर कई सवालों को जन्म दे रहा है। अगर पुलिस प्रशासन चाहे तो अवैध कोयला परिवहन पर अंकुश लग सकता है। अब देखने वाली बात होगी कि पुलिस किस प्रकार की कार्रवाई इन कोल माफियाओं पर करती है या फिर या खेल बदस्तूर जारी रहेगा।

हजारों की संख्या में बाइक से कोयले का अवैध परिवहन

अवैध कोयला तस्करी मामले में हजारों की संख्या में बाइकर्स की मदद ली जा रही हैं। प्रत्येक बाइकर्स को रू.20000 और बाइकर्स गैंग को 50-50000 रुपए इस काम के लिए एडवांस के रूप में दी गई है।और इन कोयला को एक जगह एकत्रित कर पिकअप और ट्रक के माध्यम से कोल माफियाओं के द्वारा दूसरे राज्यों में कोयला ले जाया जा रहा है। कोल माफिया इसे बेचकर मोटी रकम कमाई कर रहे है। यही नहीं शासन को भी करोड़ों रुपए का क्षति पहुंचाया जा रहा है।

"100 रुपए से लाखों का कोयला"

अमेरा खदान के सीमा पर स्थित कटकोना से ग्रामीणों के द्वारा बोरी में भरकर 30 फिट ऊपर पहुंचाकर 100 रुपए बोरी बाइकर्स को बेचा जाता है। ईट भट्टे तक पहुंचते 300 रुपए बोरी इसका रेट हो जाता है। वही कोल माफिया द्वारा ?4 रुपए किलो के भाव से कोयला खरीदा जाता है। दूसरे राज्यों में 1.50 लाख से लेकर 2 लाख तक विक्रय किया जा रहा है। एक चैन के माध्यम से?100 का कोयला लाखों रुपए में बिक रहा है और शासन को करोड़ों रुपए की छती हो रही है।

चिमनी और गमले भट्ठे में खपाया जा रहा अवैध कोयला

लखनपुर ,दारिमा, सुखरी विश्रामपुर क्षेत्र में संचालित चिमनी भट्ठे सहित अवैध गमले भट्ठे में इन कोयले को खपाया जा रहा है। यही नहीं क्षेत्र में कोयले की उपलब्धता होने से कुकुरमुत्ता की तरह अवैध गमले भट्ठे का भी संचालन हो रहा है इन अवैध गमले भट्ठे में अवैध कोयला खपाने का खेल भी चल रहा है। विगत दिनों पूर्व लखनपुर क्षेत्र के ग्राम पलगड़ी में अवैध गमले भट्ठे में काम कर रहे दो मजदूर दंपति की भी मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि प्लास्टिक के तंबू के अंदर कोयले जलाकर मजदूर दंपति सोया हुआ था और सवेरे उनकी लाश मिली थी। घटना के बाद से उक्त गमले भट्ठे से कोयले को हटा दिया गया था। जो कि जांच का विषय है।

दूसरे प्रदेश से लाकर बेच रहा था अंग्रेजी शराब, आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 10 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

संभागीय आबकारी उडनदस्ता टीम ने बलरामपुर जिले के ग्राम गोंदला निवासी एक युवक के घर छापेमारी कर 10.44 लीटर यूपी का अंग्रेजी शराब व 8 लीटर महुआ शराब जब्त किया है। टीम ने आरोपी के खिला कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार संभागीय आबकारी उडनदस्ता टीम को मुखबिर से जानकारी मिली थी कि बलरामपुर जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गोंदला निवासी अशरफी लाल गुप्ता अपने घर से दूसरे प्रदेश से शराब लाकर बिक्री कर रहा है। मुखबिर की सूचना पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने टीम के साथ छापेमारी कर असरफी लाल के घर से उत्तर प्रदेश की लेवल लगी अंग्रेजी शराब 10.44 लीटर तथा महुआ शराब 8 लीटर जब्त किया है। मामले में टीम ने आरोपी अशरफी लाल गुप्ता को गिरफ्तार किया है। टीम ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)34(2) 36 एवं 59 (क) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

ट्रिपल मर्डर से दहला प्रतापपुर क्षेत्र

जमीन विवाद में एक ही परिवार के तीन लोगों की निर्मम हत्या

गांव में दहशत और आक्रोश,कानूनी जीत के बाद भी नहीं बची जान..

- संवाददाता -
सूरजपुर, 10 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

जिले के खड़गावा चौकी अंतर्गत केरता पंचायत के डूबका पारा में शुक्रवार को जमीन विवाद ने खूनी रूप ले लिया। इस विवाद में एक ही परिवार के तीन लोगों को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया गया। इस घटना से पूरे क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है. घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार डूबकापारा निवासी माघे टोप्पो के परिवार ने हाल ही में साढ़े सात एकड़ जमीन पर अपना अधिकार पाने के लिए कोर्ट में लंबा संघर्ष किया था। दो महीने पहले जिला सत्र न्यायालय और एसडीएम कोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया था। शुक्रवार को माघे टोप्पो 60 वर्ष अपनी पत्नी बसंती टोप्पो 53 वर्ष तथा पुत्र नरेश टोप्पो 31 वर्ष के साथ खेत की जुताई करने पहुंचे थे लेकिन यह उनकी जिंदगी का आखिरी दिन साबित हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार खेती करने के दौरान ही लाठी डंडे तथाा धारदार हथियर लेकर पहुंचे करीब 30 से 40 लोगों ने वृद्ध माघे सहित उनकी पत्नी व बेटे पर ताबड़तोड़ हमला शुरू कर दिया। इस घटना में मां व बेटे की तत्काल मौके पर ही मौत हो गयी इसके कुछ देर बाद वृद्ध ने भी दम तोड़ दिया।

घटना के बाद से डूबका पारा और आसपास के गांवों में भय और आक्रोश का माहौल है। मृतकों के परिजनों का कहना है कि काफी संघर्ष और इंतजार के बाद उन्हें अपनी जमीन पर न्याय मिला था, लेकिन गांव के कुछ लोग इसे स्वीकार नहीं कर पाए। इसी रंजिश ने पूरे परिवार को खत्म कर दिया। परिवार के सदस्य और ग्रामीण प्रशासन से त्वरित न्याय की मांग कर रहे हैं। वहीं, घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति है।

इलाके में बढ़ाई गई सुरक्षा

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है। स्थानीय प्रशासन ने गांव में शांति बनाए रखने की अपील की है। इसके साथ ही क्षेत्र में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। ग्रामीण और मृतकों के परिजन इस घटना को न्याय और मानवता पर हमला मान रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जमीन विवाद की समस्या को प्रशासन ने समय पर सुलझाने का प्रयास नहीं किया, जिसके कारण यह त्रासदी हुई।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि घटना में शामिल सभी दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घटना ने खड़े किए गंभीर सवाल

यह घटना सिर्फ एक परिवार की हत्या तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक तंत्र और कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करती है। आखिर क्यों एक कानूनी जीत के बावजूद मृतक परिवार को अपनी जान गंवानी पड़ी? यह मामला प्रशासन के सामने गंभीर चुनौती बन गया है। दोषियों को गिरफ्तार करना और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना अब प्रशासन की प्राथमिकता बन गई है।

इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है और यह दिखाया है कि जमीन विवाद कितना भयानक रूप ले सकता है। फिलहाल गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

शहर में चल रहे सडक़ मरम्मत कार्यों का किया निरीक्षण,जांची गुणवत्ता

» 4.47 करोड़ की लागत से शहर में 17 विभिन्न सडक़ों का कराया जा रहा मरम्मत कार्य

- संवाददाता -
अंबिकापुर,010 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं नगर निगम प्रशासक विलास भोसकर ने शुक्रवार को नगर निगम की टीम के साथ शहर की सडक़ों में चल रहे मरम्मत कार्यों का निरीक्षण किया। प्रशासक भोसकर ने नवापारा में चल रहे सडक़ मरम्मत कार्य का निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने स्वयं गुणवत्ता की जांच भी की। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि शहरवासियों की सुविधा के लिए इन मरम्मत कार्यों को समय सीमा में पूर्ण किया जाए और गुणवत्ता से किसी तरह का समझौता ना किया जाए। उन्होंने कहा कि सडक़ संधारण कार्य में गुणवत्ता से संबंधित समस्या होने पर कार्य को निर्बाध रखते हुए प्रशासक अथवा नगर निगम आयुक्त से शिकायत की जा सकती है।

नगर निगम आयुक्त डीएन कश्यप ने बताया कि शहर में 17 सडक़ों में मरम्मत का कार्य किया जा रहा है, जिसकी कुल लागत 4.47 करोड़ है। इन सडक़ों में गांधी नगर नाका से नवापारा चौक अंतर्गत, नवापारा चौक से कोईरा दुकान तक सडक़ डामरीकरण कार्य, लागत 49.49 लाख, सिंचाई कालोनी से शिव मंदिर तक सडक़ डामरीकरण कार्य लागत 35 लाख, माखन बिहार रोड (विशुनपुर/गंगापुर) अंतर्गत मनेंन्द्रगढ़ रोड से बिजली ऑफिस तक सडक़ डामरीकरण कार्य लागत 39.79 लाख, बिजली ऑफिस से कन्या परिसर गेट तक सडक़ डामरीकरण कार्य 20.21 लाख, विशुनपुर/गंगापुर में बीटी पैच कार्य 10.33 लाख, गोधनपुर पुलिया से गोधनपुर चौक तक सडक़ डामरीकरण कार्य 35 लाख, साईं मंदिर से प्रबोध मिंज के घर तक (बाकी में पैच वर्क) 48.25 लाख, जोड़ा पीपल रोड अंतर्गत निगम कार्यालय से शंकर फ्रूट तक सडक़ डामरीकरण कार्य लागत 34.23 लाख, गुदरी बाजार तिराहा सडक़ डामरीकरण कार्य लागत 8.72 लाख, माया लॉज से जेल तिराहा तक सडक़ डामरीकरण कार्य लागत 27.89 लाख, संगीत सागर चौक से चांदनी तक सडक़ डामरीकरण कार्य 30 लाख, गंगापुर वार्ड में सडक़ डामरीकरण कार्य 19.83 लाख, सत्तीपारा रोड अंतर्गत एम.पी. तिवारी वकील के घर से कैलाश मोड़ तक सडक़ डामरीकरण कार्य स्वीकृत राशि 32.12 लाख, सत्तीपारा रोड में कैलाश मोड़ ब्रम्ह मंदिर बीटी पैच कार्य लागत 3.88 लाख, भट्ठी रोड सडक़ डामरीकरण कार्य लागत 25.00 लाख, रिंग रोड से मदिरा दुकान तक (शिकारी रोड़) सडक़ डामरीकरण कार्य लागत 19.83 लाख और फॉरेस्ट बेरियर रोड़ में बीटी पैच कार्य लागत 7.63 लाख शामिल हैं। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत 1.86 करोड़ की लागत से विभिन्न वार्डों में सडक़ डामरीकरण का कार्य भी किया जा रहा है जिसमें वार्ड क्रमांक 9 ऋषी गुप्ता के घर से लकड़ापारा तक सडक़ डामरीकरण कार्य लागत 35.32 लाख, दत्ता कालोनी में सडक़ डामरीकरण कार्य लागत 46.08 लाख, न्यू पटेलपारा में सडक़ डामरीकरण कार्य 38.87 लाख, वार्ड क्रमांक 46 में बहेरापारा में सडक़ डामरीकरण कार्य 22.26 लाख, वार्ड क्रमांक 44 में मठपारा में जीतलाल सिंह पटवारी के घर से टोडलर्स स्कूल तक सडक़ डामरीकरण कार्य लागत 44.46 लाख शामिल हैं।

मुख्य मार्ग के किनारे सब्जी व फल बेचने वाले व्यवसायियों को वेंडिंग जोन में लगाने दी गई समझाइश

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 10 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

मुख्य मार्गो के किनारे व चौक-चौराहों के समीप फुटफाथ पर ठेला लगाकर फल व सब्जी बेचने का काम करते हैं। उक्त मार्ग पर भारी वाहनों का आना जाना लगा रहता है। इस लिए दुर्घटना का भय बना रहता है। इस स्थिति को देखते हुए सरगुजा पुलिस न नगर निगम टीम द्वारा सडक़ किनारे बैठकर फल व सब्जी बिक्रेताओं को समझाइश देकर हटाया गया और उन्हें वेंडिंग जोन में लगाने की निर्देश दिए गए।

सरगुजा पुलिस व नगर निगम टीम द्वारा शुक्रवार को संयुक्त रूप से कार्रवाई की गई। कार्रवाई जिला अस्पताल मुख्य मार्ग से बिलासपुर चौक तक की गई। उक्त मार्गों में व्यवस्थित यातायात की सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु संयुक्त टीम द्वारा जिला अस्पताल परिसर के सामने मुख्य मार्ग से लेकर बिलासपुर चौक तक लगे फल ठेला, सब्जी व्यवसायियों एवं अन्य सामान विक्रेताओं को सडक़ एवं फुटपाथ से हटाकर वेंडिंग जोन में लगाने की सख्त समझाइश दी गई। साथ ही मुख्य मार्गों के फुटपाथ को खाली रखने के निर्देश दिए गए।

C M Y K

75 साल में 20 से अधिक भूकंप झेल चुका है ल्हासा, 7 जनवरी को 6.8 तीव्रता के कारण हुई 126 मौतें

बीजिंग,10 जनवरी 2025। 1950 के बाद से यानी पिछले 75 वर्षों में 20 से अधिक भूकंप ल्हासा ब्लॉक में आए हैं, जहां दक्षिणी तिब्बत में इस सप्ताह आए भूकंप का केंद्र था। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) के अनुसार, मंगलवार का भूकंप हिंद महासागर की प्लेट से उत्तर की ओर दबाव और टेक्टोनिक प्लेटों की क्रस्टल गति के कारण आया था। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, कुल 126 लोग मारे गए और 188 अन्य घायल हुए। इसने कहा कि मंगलवार को तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के शिगाजे में डिंगरी काउंटी में आए 6.8 तीव्रता के भूकंप का केंद्र किंघई-तिब्बत पठार के दक्षिणी भाग में ल्हासा ब्लॉक में स्थित है।

इस वजह से 7 जनवरी को दहला ल्हासा

सीईएनसी ने कहा, %1950 से अब तक ल्हासा ब्लॉक में 6 से अधिक तीव्रता वाले 21 भूकंप आ चुके हैं, जिनमें से अधिकतम तीव्रता 6.9 थी।% सरकारी चाइना डेली ने केंद्र के हवाले से बताया, यह भूकंप ल्हासा ब्लॉक के भीतर एक विस्तारित विखंडन और ऊर्जा के निकलने के कारण हुआ। यह भारतीय महासागर प्लेट और क्रस्टल मूवमेंट से उत्तर की ओर दबाव के कारण हुआ। भारतीय महासागर प्लेट से उत्तर की ओर दबाव भारतीय प्लेट के यूरेशियन प्लेट से टकराने का परिणाम है। यह टकराव हिमालय के निर्माण के लिए जिम्मेदार है।

बलरामपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई:अवैध रूप से रह रहे 10 संदिग्ध गिरफ्तार,न्यायालय में पेश

- संवाददाता -
बलरामपुर,10 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर पुलिस ने अपने क्षेत्र में अवैध रूप से लुक-छिपकर रह रहे संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए 10 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उन्हें बलरामपुर न्यायालय में पेश किया।

पुलिस को पिछले कुछ दिनों से सूचना मिल रही थी कि बलरामपुर खास और इसके आसपास के क्षेत्रों में कुछ बाहरी व्यक्तियों की गतिविधियां संदेहास्पद हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर इन सूचनाओं की पुष्टि के बाद आज, 10 जनवरी 2025 को, थाना बलरामपुर पुलिस ने अभियान चलाया और अलग-अलग स्थानों से इन व्यक्तियों को पकड़ा।गिरफ्तार व्यक्तियों ने अपने बलरामपुर क्षेत्र में रहने का कोई वैध कारण नहीं बताया और न ही पहचान के संबंध में पुष्ट जानकारी दी। उनके भविष्य में किसी संज्ञेय अपराध में संलिप्त होने की संभावना को देखते हुए, पुलिस ने भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 128 बीएनएसएस के तहत कानूनी कार्रवाई की।

1. हसीबुर मंडल(30 वर्ष), मुरसीदाबाद, पश्चिम बंगाल
2. जोड़ सिंह बंजारा (28 वर्ष), झालावाड़, राजस्थान
3. करण सिंह बंजारा (18 वर्ष), झालावाड़, राजस्थान
4.प्रकाश चंद बंजारा(20 वर्ष), झालावाड़, राजस्थान
5. रमेश बंजारा (32 वर्ष), झालावाड़, राजस्थान
6.आशिक बंजारा (18 वर्ष), झालावाड़, राजस्थान
7. मुकेश कुमार बंजारा (28 वर्ष), झालावाड़, राजस्थान
8. कलाम आजाद अंसारी (50 वर्ष), गढ़वा, झारखंड
9.साजिद अंसारी(34 वर्ष), गढ़वा, झारखंड
10. अहमद अंसारी (अवस्था नहीं बताई गई), गढ़वा, झारखंड

थाना बलरामपुर पुलिस ने सभी आरोपियों को अनुविभागीय दंडाधिकारी बलरामपुर के न्यायालय में पेश किया, जहां उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई जारी है।

12 वर्षो से बूढ़ी मां और पत्नी लगा रहे कार्यालय के चक्कर

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,10 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

12 सालो से नही मिला न्याय आज तक शासकीय कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर है बूढ़ी मां और एक पत्नी,इसे सिस्टम की नाकामी कहें या फिर लापरवाही, आखिर जिम्मेदार क्यों नही दिला पा रहे इन बेसहारों को न्याय।

दरअसल सरगुजा जिले के ग्राम पोड़ी का है जहां बारह साल पहले टैक्टर हादसे में होमन साय और श्रीचंद की मौत हो गई. दोनों मृतक ट्रैक्टर में मजदूरी करने गए थे तभी रास्ते में टैक्टर पलट गया और हादसे में दोनों मजदूर की मौत हो गई. हादसे के वक्त ट्रैक्टर का इंश्योरेंस फेल था जिसके कारण कोर्ट ने दोनों महिलाओं के पक्ष में फैसला सुनाते हुए दोनों मृतक के मुआवजा का भुगतान ट्रैक्टर मालिक के संपति को कुर्की कर मुआवजा देने का आदेश सरगुजा कलेक्टर को दिया था,लेकिन 12 वर्ष बीत जाने के बाद भी राजस्व विभाग दोनों पीड़ित महिलाओं को मुआवजा नहीं दिला सका है.

क्या अधिकारी भी नेताओ के तरह देते है आश्वाशन

महिलाओं का आरोप है कि लखनपुर तहसील कार्यालय में जितने भी अधिकारी आए ओ सिर्फ आश्वासन ही देते आ रहे है. एक तो पीड़ित परिवार का कमाऊ मुखिया के मौत हो जाने से परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है वही कोर्ट के आदेश के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता से दोनों पीड़ित महिलाओं को मुआवजा नहीं मिल पा रहा है,पीड़ित महिला परेशान है और अधिकारियों के कार्यालय का चक्कर लगाने मजबूर हो चुके है,इसके बाद भी लापरवाह अधिकारी इनकी मदद नहीं कर पा रहे हैं केवल आश्वासन दे रहे हैं।

फोर्टीफाइड चावल के अवैध भंडारण पर तीन दुकानें सील

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

प्रशासनिक टीम द्वारा फोर्टीफाइड चावल के अवैध भंडारण और परिवहन पर बड़ी कार्रवाई की गई है। गुरुवार देर शाम को गुप्त सूचना मिलने पर राजस्व, खाद्य, मंडी और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा खरसिया नाका के पास साईं ट्रेडर्स में दबिश दी गई, जहां ट्रक में पीडीएस प्रणाली के तहत वितरित किए जाने वाला फोर्टीफाइड चावल अवैध रूप से लोड कराया जाना पाया गया। तत्काल राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, खाद्य विभाग एवं मंडी बोर्ड की संयुक्त टीम मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करते हुए ट्रक एवं 310 क्विंटल फोर्टीफाइड चावल को जब्त किया गया। एसडीएम अम्बिकापुर फागेश सिन्हा ने बताया कि इसी तरह शुक्रवार को खरसिया नाका स्थित श्रीराम ट्रेडर्स और बंसल ट्रेडर्स में भी दबिश दी गई तथा अवैध रूप से भण्डारित चावल जब्त कर लिया गया। जिसमें साईं ट्रेडर्स में लगभग 8 क्विंटल चावल, श्रीराम ट्रेडिंग में 130 क्विंटल एवं बंसल ट्रेडर्स में 45 क्विंटल चावल भंडारित पाया गया। प्रशासनिक टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए चावल जब्त कर तीनों दुकानों को सील कर दिया गया है। इस टीम में जिला खाद्य अधिकारी चित्रकांत ध्रुव, तहसीलदार उमेश बाज, नायब तहसीलदार निखिल श्रीवास्तव सहित मंडी एवं पुलिस विभाग टीम शामिल रहे।

NSUI अध्यक्ष द्वारा सदस्यता अभियान का पोस्टर विमोचन किया गया

- संवाददाता -
राजपुर,10 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

NSUI राजपुर के द्वारा कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजेंद्र तिवारी, पूर्व विधायक प्रीतम राम , के उपस्थिति में छात्र नेता आदित्य विभु जायसवाल के नेतृत्व में "NSUI सदस्यता अभियान÷ का पोस्टर विमोचन किया गया।

आदित्य विभु जायसवाल ने बताया राष्ट्रीय स्तर से चल रही इस अभियान में हम सक्रिय हो कर राजपुर ब्लॉक से सैकड़ो छात्रों को NSUI से जोड़ने का काम करेंगे, और छात्रहित के साथ जनहित के मुद्दों को उठाने का काम करेंगे।

इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुनील सिंह, NSUI प्रथम ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश सोनी,कांग्रेस जिला महामंत्री जितेंद्र गुप्ता, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव नीरज तिवारी,पार्षद राहुल भारती नितिन गुप्ता, सूर्यकांत रवि, रामनाथ रवि, सैफ आलम, अनिकेत सोनवानी, प्रियांशु, रामेश्वर ,नरेन्द्र, व अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

हेलमेट व सीट बेल्ट लगाकर बाइक व कार चलाने वालों को एसपी ने पुष्प देकर किया प्रोत्साहित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा में सडक़ सुरक्षा माह चलाया जा रहा है। इस क्रम में लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरुक करने के लिए विविध कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वहीं बाइक चलाने के दौरान हेलमेट पहनने वाले व कार चलाने के क्रम में सीट बेल्ट का उपयोग करने वालों को एसपी योगेश पटेल ने पुष्प देकर प्रोत्साहित किया। इसके अलावा अन्य लोगों को भी सडक़ हादसे में हो रही जनहानि के बारे में बताया गया और बाइक चलाने के दौरान हेलमेट व कार चलाने के दौरान सीट बेल्ड का उपयोग करने की समझाइश दी गई।

जले में 36वां सडक़ सुरक्षा माह चलाया जा रहा है। लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए शहर के आकाशवाणी चौक सहित अन्य भीड़-भाड़ वाले चौक-चौराहों पर पम्पलेट एवं पोस्टर बांटकर सडक़ सुरक्षा के बारे में बताया गया।

इस क्रम में एसपी ने घड़ी चौक स्थित यातायात कार्यालय पहुंचकर प्रमुख चौक-चौराहों में जागरुकता अभियान की समीक्षा की। दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने व चारपाहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाकर वाहन चलाने की समझाइश दी। इस दौरान जो व्यक्ति बाइक चलाने के दौरान हेलमेट व कार चलाने के दौरान सीट बेल्ट लगाए थे उन्हें पुष्प देकर प्रोत्साहित किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, उप पुलिस अधीक्षक ऑप्स एमआर कश्यप, यातायात प्रभारी तृप्ति सिंह राजपूत आरक्षक अमनपुरी सहित यातायात कार्यालय के अधिकारी कर्मचारी एवं पुलिस मितान के सदस्य उपस्थित रहे।

बुलेट चोरी कर घुम रहा था किशोर,पुलिस ने किया जब्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

एक किशोर बुलेट चोरी कर घुम रहा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह बुलेट चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने किशोर के कब्जे से चोरी की बुलेट जब्त किया। पुलिस ने किशोर को बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार सुखदेव डनसेना निवासी निमोही डबरा थाना जांजगीर चापा हाल मुकाम लक्ष्मीपुर थाना मणिपुर का रहने वाला है। 5 जनवरी की रात 8 से 6 जनवरी की रात 8 बजे के बीच अज्ञात द्वारा इसके किराय के मकान लक्ष्मीपुर से बुलेट क्रमांक सीजी 15 डीवाई 9870 को अज्ञात द्वारा चोरी कर ली गई थी। सुखदेव ने मामले की रिपोर्ट 8 जनवरी को मणिपुर थाना में दर्ज कराई थी। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की एक व्यक्ति बिना नंबर के बुलेट से घुम रहा है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने नमनाकला से संदेही को हिरासत में लेकर बुलेट के संबंध में पूछताछ की तो वह चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने उसके पास से बुलेट जब्त किया है। वहीं पुलिस ने संदेही किशोर बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया है।

एसीबी की टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथ बीईओ,लिपिक व एक शिक्षक को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,10 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

शिकायत पर एनटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने सीतापुर बीईओ ऑफिस में छापामारा। इस दौरार एसीबी की टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथ बीईओ, व ऑफिस के बाबू व एक शिक्षक को गिरफ्तार किया है। इनके द्वारा एक शिक्षक से किसी काम के लिए 15 हजार रुपए लिए गए थे।

जानकारी के अनुसार सीतापुर के शिक्षक चमर साय पैकरा से सीतापुर के बीईओ मिथलेश सिंह सेंगर, लिपिक राजकुमार पैकरा ने किसी कार्य के लिए 25 हजार रुपए रिश्वत मांगी थी। सौदा 15 हजार रुपए में तय हुआ था। उक्त रिश्वत शिक्षक अनुराग बरई के माध्यम से दी जानी थी। रिश्वत मांगे जाने की शिकयत शिक्षक चमर साय ने एसीबी कार्यालय अंबिकापुर से की थी। फोन कॉल से रिश्वत मांगे जाने की पुष्ट होने पर एसीबी की टीम ने योजना के तहत शिक्षक को रिश्वत देने के लिए केमिकल लगे 15 हजार रुपए दिए थे। शिक्षक ने उक्त केमिकल लगे रुपए को शिक्षक अनुराग बरई को दी। इसके बाद टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथ तीनों को गिरफ्तार किया है। टीम ने बीईओ मिथलेश सिंह सेंगर, लिपिक राजकुमार पैकरा व शिक्षक अनुराग बराई से पूछताछ कर रही है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाईन पंजीयन की तिथि बढ़ाई गई

- संवाददाता -
सूरजपुर,10 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य के संचालित समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिलक कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पॉलीटेक्निक एवं आई.टी.आई आदि के प्राचार्य/संस्था प्रमुख, छात्रवृत्ति प्रभारी एवं उनमें अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ वर्ग के विद्यार्थियों जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते है, को सूचित किया गया है कि शिक्षा सत्र 2024-25 हेतु ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही http://postmatric_scholarship.cg.nic.in/ वेबसाइट पर ऑनलाइन की जा रही है।

इसके साथ ही विद्यार्थी द्वारा ऑनलाईन आवेदन हेतु (नवीन एवं नवीनीकरण) 01 से 31 जनवरी तक, ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक करने हेतु 01 जनवरी से 15 फरवरी 2025 तक एवं सैंक्शन ऑर्डर लॉक करने हेतु 01 जनवरी से 28 फरवरी तक तिथियों निर्धारित की गई हैं। इसके पश्चात शिक्षा सत्र 2024-25 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाइन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जायेगा तथा ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक तथा सेक्शन आर्डर लॉक करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया जायेगा। उक्त तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं तो इसके लिए संस्था प्रमुख स्वतः जिम्मेदार होंगे।

महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में मतदाता जागरूकता अभियान का किया गया आयोजन

- संवाददाता -
सूरजपुर,10 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में स्वीप गतिविधि के अंतर्गत 9 जनवरी को रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से युवा उत्सव कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें स्वीप प्रोफेसर नोडल और रासेयो कार्यक्रम अधिकारी धीरेंद्र कुमार जायसवाल के द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के सभी छात्र छात्राएं और शिक्षको की भागीदारी रही इस कार्यक्रम से छात्र-छात्राओं के माध्यम से उनके घर मोहल्ला गांव टोला पारा आदि बिहारपुर क्षेत्र जो की ओड़गी विकासखंड के अंतर्गत आता है ,में अधिक से अधिक संख्या में लोग मतदान करें इसके लिए प्रेरित किया गया और छात्र-छात्राओं के माध्यम से समाज में मतदान करने हेतु जागरूकता अभियान का एक हिस्सा बनाया गया।

फर्जी कॉल व ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए रहें सतर्क

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने साइबर अपराधों से बचने के दिए टिप्स

कलेक्टर चन्दन त्रिपाठी

डॉ आशुतोष चतुर्वेदी जिला पंचायत सीईओ

- संवाददाता -
बैकुंठपुर, 10 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

डिजिटल युग में ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। आए दिन लोग फिशिंग, मोबाइल से कम समय में अधिक पैसे देने की लालच, मोबाइल में बच्चों के अपराध में संलिप्त होने की गलत जानकारी, आधार नम्बर, पेन नम्बर, ओटीपी नम्बर मांगने, नकली ऑफर्स और वीडियो वेरिफिकेशन स्कैम आदि का शिकार हो रहे हैं।

मोबाइल ठगी व ऑनलाइन फ्रॉड से आम लोगों को सतर्क रहने की जरूरत- आज विकासखण्ड मुख्यालय सोनहत के सामुदायिक भवन में आयोजित जिला स्तरीय मेगा बैंक लिंकेज एवं क्रेडिट कार्यक्रम में कलेक्टर चन्दन त्रिपाठी ने मोबाइल से ठगी व ऑनलाइन फ्रॉड से आम लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। कलेक्टर ने कहा कि अपराधियों द्वारा ठगने के नए-नए तरीके अपनाते हैं और इससे बचने के लिए आपके पास सही जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा मोबाइल में आए दिन आधार नम्बर, केवाईसी, पेन नम्बर, ओटीपी, खाता नम्बर आदि जानकारी मांगते हैं और उत्सुकतावश या गलती से दे देते हैं और आपके खातों से जमा की गई रकम तुरंत निकाल लेते हैं, जबकि कोई भी बैंक इस तरह से जानकारी नहीं लेते, ऐसे समय में सावधानी बहुत जरूरी है।

सावधानी पूर्वक मोबाइल का उपयोग करें

जिला पंचायत के सीईओ डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ''नजर हटी और दुर्घटना घटी'', वाली कहावत ठगी करने वालों ने अपनाया है। इसलिए सावधानी पूर्वक मोबाइल का उपयोग करें, ऑनलाइन ठगी से बचें और नहीं समझ आने पर किसी जानकार से पूछकर मोबाइल, ऑनलाइन का उपयोग कर सकते हैं।

साइबर अपराधियों के नए तरीके

विशेषज्ञों के अनुसार, ठग अब मोबाइल सेवा नवीनीकरण, केवाईसी अपडेट और वीडियो वेरिफिकेशन जैसे बहानों से लोगों को फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। कई बार ये अपराधी नकली वेबसाइट्स बनाकर पीड़ितों को उनकी संवेदनशील जानकारी साझा करने के लिए मजबूर कर देते हैं।

आवश्यक सावधानियां

किसी भी अनजान व्यक्ति या वेबसाइट को अपनी बैंक डिटेल्स, ओटीपी या पासवर्ड न दें। वेबसाइट के URL की जांच करें। केवल https और gov.in जैसी पहचान वाले पते पर भरोसा करें।संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। मजबूत पासवर्ड और टू-स्टेप ऑथेंटिकेशन (wFA) का उपयोग करें।.यदि कोई संदिग्ध कॉल या मैसेज आए, तो उसे अनदेखा करें।

क्या करें अगर ठगी का शिकार हों

यदि आप ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार हो गए हैं, तो तुरंत साइबर क्राइम, स्थानीय पुलिस थाना में जानकारी दें।

त्योहारों के दौरान विशेष सतर्कता आवश्यक

त्योहारों के समय में साइबर अपराधी नकली ऑफर्स और लॉटरी जैसे प्रलोभनों के जरिए लोगों को फंसाने की कोशिश करते हैं। ऑनलाइन खरीदारी करते समय केवल आधिकारिक और विश्वसनीय प्लेटफॉर्म का ही उपयोग करें। बैकुण्ठपुर स्थित स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक ने भी मोबाइल व ऑनलाइन ठगी से बचने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा लोगों को अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचना चाहिए और साइबर धोखाधड़ी, जैंसे संदिग्ध कॉल या ईमेल पर प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। बता दें सरकार और साइबर एजेंसियां लगातार नागरिकों को जागरूक करने का प्रयास कर रही हैं। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि जागरूक रहें और साइबर अपराधियों के जाल में फंसने से बचें।

क्या सरकारी संपत्ति को भू-माफिया अपनी जागीर समझ बैठे हैं?

» सरकारी जमीन हथियाकर कमाना चाहते हैं करोड़ भू माफिया?

» भू माफिया के ऊपर अधिग्रहण कर प्लाटिंग करने का आरोप

- रवि सिंह-
मनेन्द्रगढ़, 10 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

राजस्व विभाग भी अजीब विभाग है यहां पर कभी भ्रष्टाचार खत्म नहीं होने वाला इसके पीछे का कारण यहां पर बैठने वाले अधिकारी हैं, इन्हें जिम्मेदारी गया है शासकीय जमीन को बचाने की पर यह तो शासकीय जमीनों को लूटने की ओर काम करते नजर आ रहे हैं यह कहना गलत नहीं होगा, शासकीय जमीन कैसे बचेगी इस और कोई काम नहीं होता पर शासकीय जमीन कैसे निजी हो जाएगी कैसे कब्जा हो जाएगा यह सब इनके आंखों के सामने होता है, इस पर इनका कोई भी ध्यान नहीं रहता है। यदि ईमानदारी से तहसीलदार एसडीएम व राजस्व का पूरा अमला कम करें तो क्या शासकीय जमीन का 1 इंच भी कोई ले पाएगा? पर सवाल यह है कि आखिर यह इमानदारी से काम करेंगे कब? कौन सी सरकार इनसे ईमानदारी से काम करवा पाएगी? जिन्हें आना है वह चढ़ावा चढ़ा कर आता है ताकि जाकर पूरी बेईमानी से कम कर सके?

कुछ ऐसा ही मामला सामने आया जन्हा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में कार्यालय कार्यपालन अभियंता (संचा. संघा) संभाग,छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित जिला -मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.) की बेशकीमती भूमि के बारे में जानकारी सामने आई है, जिस पर भूमाफिया ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। भूमाफिया ने इस भूमि का अवैध रूप से अधिग्रहण किया और यहां प्लाटिंग का कार्य शुरू कर दिया, जिससे यह भूमि अब अवैध रूप से बिकने के लिए तैयार हो गई है। यह भूमि पहले से ही सरकारी संपत्ति है, जिसे भूमाफिया ने जलसाजी करके अपनी निजी संपत्ति बना कर भूमि का स्वरूप बदला और उसके बाद उसे प्लॉट्स में विभाजित कर बेचने का काम शुरू किया गया।

कलेक्टर से शिकायत

इस मामले में स्थानीय लोगों ने कलेक्टर से शिकायत की थी और प्रशासन से कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत में बताया गया था कि भूमाफिया ने न केवल सरकारी भूमि का अवैध रूप से कब्जा किया है, बल्कि वे यहां पर प्लाटिंग भी कर रहा है, जिससे भविष्य में यह भूमि अवैध रूप से बेची जा सकेगी। इसके बावजूद प्रशासन द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। कलेक्टर को इस मामले में कार्रवाई करने के लिए कई बार निवेदन किया गया था, लेकिन किसी भी स्तर पर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। इस कारण भूमाफिया का हौसला बढ़ गया है और वे इस भूमि पर अपनी अवैध गतिविधियों को और भी विस्तार देने का प्रयास कर रहे हैं।

क्या इसे प्रशासन की लापरवाही समझे?

यह स्थिति न केवल प्रशासन की लापरवाही को दर्शाती है, बल्कि यह भी सवाल खड़ा करती है कि क्या सरकारी अधिकारी अपने कर्तव्यों का सही तरीके से पालन कर रहे हैं। लोगों में गहरी चिंता व्याप्त है, क्योंकि यदि समय रहते इस अवैध कब्जे और प्लाटिंग पर कार्रवाई नहीं की जाती है, तो यह बेशकीमती भूमि पूरी तरह से भूमाफिया के कब्जे में चली जाएगी, जिससे भविष्य में न केवल सरकारी संपत्ति का नुकसान होगा, बल्कि यह अन्य अवैध गतिविधियों के लिए भी प्रेरणा का कारण बनेगा। स्थानीय लोग और समाजसेवी अब प्रशासन से इस मामले में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, ताकि अवैध कब्जा हटाया जा सके और इस भूमि की सही देखरेख की जा सके। इसके अलावा, कड़ी कानूनी कार्रवाई की भी आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि भूमाफिया के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा सकें और सार्वजनिक संपत्ति को बचाया जा सके। इस स्थिति में सरकार और प्रशासन की तत्परता पर प्रश्न चिन्ह उठ रहे हैं, और अगर जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता, तो यह मामला गंभीर रूप ले सकता है।

सूरजपुर पुलिस ने किया 228 दो पहिया व 12 चार पहिया लावारिश व अदावाकृत वाहनों की नीलामी

- संवाददाता -
सूरजपुर, 10 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

जिले में पुलिस ने जप्त व लावारिश वाहनों की नीलामी की। लावारिश व अदावाकृत वाहनों के नीलामी की प्रक्रिया विधिवत् जल्द पूर्ण कराने के निर्देश आईजी सरगुजा रेंज श्री अंकित गर्ग के द्वारा दिए थे। जिसके परिपालन में सूरजपुर पुलिस द्वारा 228 दो पहिया वाहन व 12 चार पहिया वाहनों की नीलामी जिला दण्डाधिकारी सूरजपुर के द्वारा गठित टीम के द्वारा की गई। इस नीलामी में कुल 48 निविदा फार्म प्राप्त हुए थे। नीलामी से शासन को कुल 5 लाख रूपये का राजस्व मिला।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो की अध्यक्षता व डिप्टी कलेक्टर चांदनी कंवर सहित गठित टीम के सदस्यों की मौजूदगी में जिला सूरजपुर के विभिन्न थाना व चौकियों में लंबे समय से रखे लावारिश व अदावाकृत मोटर सायकलों व 4 पहिया वाहनों को रक्षित केन्द्र परिसर में एकत्रित किया गया था।

बुधवार, 08 जनवरी 2025 को रक्षित केन्द्र ग्राउण्ड में आयोजित नीलामी कार्यवाही में जिला सहित दिगर जिलों के 48 बोलीकर्ता उपस्थित हुए जो बढ़-चढ़कर हिस्सा लिए, अम्बिकापुर के रॉयल स्टील के प्रोपराईटर मो. बाबर के द्वारा 228 दो पहिया वाहन के लिए सबसे अधिक राशि 4 लाख 25 हजार रूपये एवं 12 चार पहिया वाहनों के लिए 75 हजार रूपये कुल 240 वाहनों के एवज में 5 लाख रूपये की बोली आई। इस नीलामी कार्यवाही में सीएसपी एस.एस.पैंकरा, जप्ती माल निराकरण के नोडल डीएसपी रितेश चौधरी, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, आरटीओ निरीक्षक मोहम्मद आबिद खान, पीडब्ल्यूडी एसडीओ ईएंडएम नरेश कुमार बड़ा, आरटीआई प्रशिक्षण अधीक्षक विजय साहू सहित निविदाकर्तागण मौजूद रहे।

जिला स्तरीय पर्यटन समिति की बैठक सम्पन्न

» पर्यटन स्थल के सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों को लेकर की गई चर्चा

- संवाददाता -
सूरजपुर, 10 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

आज जिला संयुक्त कार्यालय के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन की अध्यक्षता जिला स्तरीय पर्यटन समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रखी गई थी। एनआईसी कक्ष में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, संभाग प्रभारी अधिकारी पर्यटन श्री आशीष वर्मा, श्री दरोगा सिंह व संबंधित अधिकारी उपस्थिति थे तथा श्री भीमसेन अग्रवाल व अन्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे। जिले के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल के सौंदर्यकरण व अन्य विकास कार्यो के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें मां महामाया मंदिर देवीपुर के सौदर्यीकरण, मंदिर परिसर में स्थिति अमृत सरोवर में बोटिंग कार्य एवं सीढ़ी के मार्ग पर स्थित उद्यान का उन्नयन कार्य, शक्तिपीठ परियोजना के तहत मां बागेश्वरी कुदरगढ़ देवी धाम में चिन्हांकित निर्माण कार्यो हेतु भूमि उपलब्धता हेतु एनओसी के संबध में चर्चा की गई। इसके साथ ही राज्य स्तर पर चिन्हांकित पर्यटन स्थल सारासोर, तमोर पिंगला एवं अन्य पर्यटन स्थलों पर आवश्यक सुविधाओं व कार्यो पर चर्चा किया गया। केनापारा पर्यटन स्थल के संचालन के संबंध में केनापारा पर्यटन स्थल में आवश्यक सुविधाओं के संबध में जैसे- लाइटिंग, फ्लोटिंग रेस्टोरेंट, टिकट, सुरक्षा और संरक्षण के लिए एचआर, वाणिज्यिक गतिविधियों, वनरोपण गतिविधियां, मनोरंजक गतिविधियों के संबंध चर्चा किया गया। बांक और रकसगंडा पर्यटन स्थल में होमस्टे, रेल्वे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्यटन स्थलों का साइन बोर्ड, सभी पर्यटन स्थलों पर डस्टबिन और सुविधायुक्त शौचालय निर्माण, पर्यटन स्थलों पर स्थायी आजीविका के लिए योजना, पर्यटन स्थलों पर लाइटिंग की व्यवस्था, धार्मिक स्थलों के लिए स्वागत द्वार और पर्यटन स्थलों के लिए एलईडी लाइटिंग बोर्ड जैसे महत्वपूर्ण एजेंडा पर चर्चा हुई।

निधन

स्व. देवशरण साहू

पटना। ग्राम खांड़ा डबरीपारा निवासी ठेकेदार देव शरण साहू 56 वर्ष का बुधवार 8 जनवरी को आकस्मीक निधन हो गया, अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम खांड़ा में 9 जनवरी गुरूवार को किया गया, मुखाग्नि उनके बड़े पुत्र कमलेश साहू ने दिया, अंतिम संस्कार में परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, ग्रामिण व स्नेहीजन काफी संख्या में शामिल हुए, वे अपने पीछे दो पुत्रों का भरा पूरा परिवार छोड़ गए उनके निधन से गांव में शोक व्यप्त है।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202501020700064

विषय:-अ-27 मामले की श्रेणी:-राजस्व सन्:-2024-25

अम्बिकापुर प.ह.नं.00015(हे.)
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार-आशा देवी, सेवक साहू,आशीष साहू,पुष्पा देवी,ज्योति गुप्ता,
अनावेदक पक्षकार-आशीष सहू, पुष्पा देवी,ज्योति गुप्ता,आशा देवी,सेवक साहू,

ईश्तहार

आवेदक सेवक साहू आ0 स्व0 सुखदेव साहू, निवासी ग्राम मणीपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 4198/1, 4205 रकबा क्रमशः 0.048, 0.405 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कियागया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/02/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 07/01/2025 को जारी किया जाता हैं।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202501020700155

विषय:-अ-6 मामले की श्रेणी:-राजस्व सन्:-2024-25

अम्बिकापुर प.ह.नं.00015
(2407/12 (0.040 हे0)
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार- सैयद इकराम हुसैन,
अनावेदक पक्षकार-सैयद असीमुद्दीन

ईश्तहार

आवेदक सैयद इकराम हुसैन पिता सैयद असिमुद्दीन व अन्य निवासी महाराजा गली अम्बिकापुर सिंधी कॉलीनी देवीगंज रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2407/12 रकबा 0.040 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृतक खातेदार सैयद असीममुद्दीन का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 13/01/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19/12/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर

क्या सत्ता पक्ष के विधायक की पूछ परख नहीं रह गई अधिकारियों की नजर... बिना विधायक से भूमि पूजन कराए महतारी सदन का निर्माण हुआ शुरू

- कोरिया जिले में निकल गया टेंडर काफी कम रेट पर दिया गया है टेंडर कैसे होगा गुणवत्ता के साथ निर्माण?
- कोरिया जिले में चार महतारी सदन की मिली स्वीकृति, 98 लाख 80 हजार में होना है निर्माण
- एक महतारी सदन की लागत है 24 लाख 70 हजार

- रवि सिंह -
कोरिया,10 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

यदि सत्ता पक्ष की विधायक को अधिकारी इग्नोर करें तो आप समझ सकते हैं कि अधिकारी अपने आप को सुपर समझ बैठे हैं, जबकि अधिकारियों को सत्ता पक्ष की विधायक के साथ विकास कार्यों को साझा करना चाहिए, क्योंकि सत्ता पक्ष के विधायक का ही विकास कार्य में रुचि होती है, विकास कार्यों को अपने क्षेत्र के लिए वह स्वीकृत करते हैं, बस काम निर्माण एजेंसियां करती हैं पर इस समय अधिकारी अपने आप को जनप्रतिनिधियों से अलग करके अपने मन मुताबिक कार्य कर रहे हैं, यह बात इसलिए हो रही है क्योंकि अभी कोरिया जिले में चार जगह महतारी सदन का निर्माण होना है जिसके लिए 98 लाख 80 हजार रुपए कोरिया जिले को मिले हैं, एक महतारी सदन के लिए 24 लाख 70 हजार दिया गया है, यह काम ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के पास है, यह काम शुरू भी हो गया और भूमि पूजन भी हो गई पर इसकी भनक विधायक को नहीं लगी, वही कोरिया जिले में इसके लिए टेंडर निकाला गया है और यह भी टेंडर कुछ कांग्रेसियों को सेटिंग से मिला है, और सभी काम बिलो में गए हैं अब इसके बाद यह बात आ रही है कि क्या इतने काम में काम मिलने पर क्या सही ढंग से कम होगा? आखिर इन निर्माण कार्य को शुरू करने की इतनी जल्दी बाजी ग्रामीण यांत्रिक की विभाग के ईई को क्या थी? जो बिना विधायक से भूमि पूजन कराए ही शुरू कर दिया, क्या उसमें वह गड़बड़ी करना चाह रहे हैं या फिर गुणवत्ता की अनदेखी करेंगे?

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग कोरिया की मनमानी चरम पर, ठेकेदारों के सेटिंग से हो रहा टेंडर का खेल

मिलिजानकारी के अनुसार ग्रामीण यांत्रिकी विभाग कोरिया निर्माण गुणवत्ता को लेकर सुर्खियों में रहता है कार्यों को चाहते ठेकेदार को उपलब्ध कराने के जुगाड़ व कार्यों की गुणवत्ता भगवान भरोसे होने की शिकायत विभाग की होती रहती है, अब एक नया मामला सामने आया है जहां शासन द्वारा महतारी सदन योजना अंतर्गत कोरिया जिले के चार भवन की स्वीकृति स्थानीय विधायक भईया लाला राजवाड़े के प्रयास से मिल सकी है, उक्त कार्यों के लिए निर्माण एजेंसी जिला पंचायत और ग्रामीण यांत्रिकी विभाग की सेवा संभाग को बनाया गया है, कोरिया जिले में शहरी क्षेत्र छोड़कर कर ग्रामीण क्षेत्रों में महतारी सदन योजना के अंतर्गत भवन निर्माण करना है, जिनमें ग्राम सरडी,सावांरावां, सरभोका व उमझर ग्राम पंचायत शामिल है, प्रत्येक भवन निर्माण के लिए 24 लाख 70 हजार रुपए के हिसाब से कुल 98 लाख 80 हजार रुपए की स्वीकृति संचालक पंचायत से प्राप्त हुई है, उक्त कार्य को आरंभ करने से पहले स्थानीय विधायक ने पूर्व में ही व्यवस्थित स्थल चयन के बाद भूमि पूजन कर आरंभ करने के निर्देश दिए थे, लेकिन विभाग के अधिकारी ने विधायक के निर्देशों को भी नहीं माना, अनान-फानन में ठेकेदारों को कार्य सौप कर बिना भी भूमि पूजन कराये काम की शुरुआत कर दी।

भूमि पूजन व निर्माण संबंध बोर्ड तक नहीं

हर निर्माण कार्य शुरू होने से पहले निर्माण संबंधित बोर्ड का होना अनिवार्य होता है, पर नई सरकार में भी यह प्रथा लग रहा है खत्म हो गई है या फिर विभाग के अधिकारी अपने आप को सुपर समझ बैठे हैं, यही वजह है की महतारी सदन योजना के तहत भवन निर्माण के कार्य बिना भूमि पूजन के तो शुरू हुआ ही, वहां पर निर्माण संबंधित बोर्ड तक लगाने की जहमत उन्होंने नहीं उठाई, क्या यह बोर्ड इसलिए नहीं लगाया गया ताकि किसी को पता चल सके कि यह काम किसको मिला है? या फिर इसकी लागत ना पता चले ताकि ठेकेदार को भ्रष्टाचार करने की मौन स्वीकृति विभाग के इंजीनियर व ईई से मिल सके, कार्य कब पूरा होगा कार्य कब खत्म होगा यह सब का उल्लेख भी लगता है कि जानने की जरूरत किसी को नहीं है?

क्या ग्रामीण यांत्रिक विभाग में चल रही है मनमानी

ग्रामीण यांत्रिक विभाग कोरिया पर मनमानी का आरोप लग रहा है, यह आरोप कई तरीके से लगाए जा रहे हैं पहले तो कार्यों में गुणवत्ता भगवान भरोसे है, वही मनचाहे ठेकेदारों को सेटिंग से कम देना यह भी सुर्खियों में है, अतिरिक्त कक्ष का काम भी विभागीय अपने चाहते ठेकेदार को विभाग की द्वारा दे दिया गया था, पांच नाग अतिरिक्त कक्ष बने थे जिसके लागत 50 लाख थी, एक कक्षा की लागत 10 लाख बताई जा रही है, वहीं यह काम सिर्फ विभागीय तौर पर चाहते ठेकेदारों को देने का मामला सामने आया है, कहीं ना कहीं ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के ईई पर तमाम तरह के गंभीर आरोप है, जहां निर्माण में गुणवत्ता पर सवाल तो उठी रहे हैं साथ ही सेटिंग से काम देने का आरोप भी लग रहा है?

भाजपा समर्थित ठेकेदार भी अपने विधायक से भूमि पूजन करवाना क्या उचित नहीं समझते?

भाजपा समर्थित ठेकेदार काम तो पाते हैं भाजपा के नाम से पर अपनी ही विधायक से वह भूमि पूजन करवाने से परहेज करते हैं आखिर इसकी वजह क्या है? यह बात अब एक साल की सरकार होने के बाद उठने लगा है, अन्य ठेकेदारों का तो समझ में आता है पर भाजपा समर्थित ठेकेदार भी अपने विधायक की पूछ परख नहीं रखना चाहते, सिर्फ उनसे कम लेकर लाभ कमा कर किनारे होना चाहते हैं? जबकि काम उनके विधायक द्वारा स्वीकृत कराया जाता है फिर भी उन्हीं के क्षेत्र में विकास कार्य के लिए उन्हें न पूछना यह बड़ा सवाल बन गया है।

विभिन्न विद्यालयों में 8 दिवसीय ए.आई. और चैट जीपीटी कार्यशाला का किया गया आयोजन

- संवाददाता -
सूरजपुर, जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

जिला प्रशासन द्वारा नवाचारी पहल के तहत 8 दिवसीय ए.आई. (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और चैट जीपीटी कार्यशाला का आयोजन जिले के 8 विभिन्न स्कूलों सेजेस नवापारा, सूरजपुर, सेजेस प्रेमनगर, सेजेस प्रतापपुर, सेजेस चेंद्रा, सेजेस भैयाथान, सेजेस भुवनेश्वरपुर, सेजेस बातरा और सेजेस जयनगर में किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों के प्रति जागरूक करना और उनकी तकनीकी क्षमता को सशक्त बनाना है। इस कार्यशाला का संचालन जीआर टेक्नो इंडिया द्वारा शिक्षा विभाग, सूरजपुर के लिए किया गया। कार्यक्रम का वित्तीय समर्थन ''एसईसीएल'' (साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड) द्वारा सीएसआर पहल के तहत किया गया।

कार्यशाला में छात्रों को ए.आई. और चैट जीपीटी के उपयोग, संभावनाओं और इसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यशाला नई तकनीकों के प्रति छात्रों की रुचि बढ़ाने और उन्हें डिजिटल युग के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिला प्रशासन और स्थानीय शिक्षण संस्थानों ने इस कार्यशाला को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया।

दुर्घटनाओं से बचने के लिए बाइक सवारों ने हेलमेट पहनने का दिया संदेश

- संवाददाता -
सूरजपुर,10 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

आज मतदाता जागरूकता अभियान के तहत बाइक रैली को संयुक्त जिला कार्यालय सूरजपुर से शुरू कर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू एवं अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली में लोगों ने हेलमेट पहनकर सड़क सुरक्षा को लेकर भी लोगों को जागरूक किया। इस दौरान पुलिस, यातायात,शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती साहू ने कहा कि नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर लोगों को शत प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक करने के लिए इस रैली का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि मतदान करना प्रत्येक मतदाता का अधिकार है। इसके माध्यम से ही वह अपनी आवाज शासन तक पहुंचा सकता है इसलिए सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। जागरुकता बैनर लेकर सयुक्त जिला कार्यालय से शुरू हुई जागरूकता रैली का समापन अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड सूरजपुर में किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ द्वारा सड़क मतदाताओ को जागरूक करते हुए शत प्रतिशत मतदान के लिए शपथ भी दिलाई।

इस बाईक रैली के माध्यम से बाइक सवारों द्वारा हेलमेट पहनकर अपनी सुरक्षा का संदेश भी दिया है।

गौरतलब है कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने एवं आम जनमानस में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाये जाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा 01 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत राज्य भर में सड़क सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिले भर में लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक कराया जा रहा है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जिले में आयोजित किये जा रहे है जागरूकता कार्यक्रम

- भटगांव में यातायात एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का किया गया आयोजन
- यातायात के नियमों का करें पालन-कलेक्टर
- साइबर ठगों से बचने के लिए लोग रहे सतर्कः कलेक्टर

- संवाददाता -
सूरजपुर,10 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने एवं आम जनमानस में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाये जाने के उद्देश्य से जिले में 01 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। जिसके तहत जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत भटगांव में पुलिस विभाग व एसईसीएल के सौजन्य से यातायात एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया था। जिसमें कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के मुख्य आतिथ्य एवं एस पी श्री ठाकुर के विशेष आतिथ्य में यातायात एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान साउथ ईस्टर्न कोल्ड फील्ड के जनरल मैनेजर श्री दिलीप उपस्थित थे ।

इस कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्री जयवर्धन ने संबोधित करते हुए लोगों को सुरक्षित रहने के लिए यातायात नियमों का पालन करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सभी दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट और चार पहिया चालकों को सीटबेल्ट आवश्यक रूप से लगाने के लिए कहा। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए स्पीड पर नियंत्रण, नशा कर वाहन ना चलाने के लिए कहा। इसके लिए उन्होंने सभी स्कूलों, महाविद्यालयों सहित सभी लोगों को यातायात के नियमों को लेकर वृहद जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने साइबर ठगों से बचने के लिए सतर्क रहने के लिए कहा। उन्होंने लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए उन्होंने सभी को अपने डिजिटल ट्रांजैक्शन को सावधानी से करने के लिए कहा। उन्होंने ओटीपी को लेकर खास सावधानी बरतने को कहा। साथ ही वर्तमान समय में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा फोन करके किए जा रहे ब्लैकमेलिंग को लेकर खास सावधानी बरतने तथा इसकी शिकायत तुरंत करने के लिए कहा।

पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत ठाकुर ने भी लोगों को सड़क दुर्घटनाओं और साइबर क्राइम को लेकर लोगों को सचेत किया। उन्होंने साइबर क्राइम से सुरक्षा के लिए स्वयं को संयम बरतने और किसी तरह से फ्रॉड के झांसे में आ जाने पर तुरंत शिकायत दर्ज कराने के लिए कहा। उन्होंने यातायात सुरक्षा पर कहते हुए सभी को यातायात नियमों का पालन करने के लिए कहा। साथ ही इसके लिए व्यापक पैमाने पर जागरूकता की आवश्यकता बताइए।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संतोष महतो, एसडीओपी श्री रितेश चौधरी, एस ई सी एल के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

दिव्यांग प्रमाण-पत्र के लिये जिले के वेबसाइट से करें रजिस्ट्रेशन

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन पश्चात् बुधवार के दिन आवेदक को जिला अस्पताल पर दर्ज करानी होगी उपस्थित

- संवाददाता -
सूरजपुर,10 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल करते हुए दिव्यांग जनों को सुविधा प्रदान करते हुए, जिला सूरजपुर के ऑफिशियल वेबसाइट पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा प्रदान की गई है। जिसके तहत दिव्यांगजन सूरजपुर जिले की ऑफिशियल वेबसाइट surajpur.nic.in पर कनेक्ट कर ''दिव्यांग प्रमाण पत्र'' आवेदन हेतु निर्मित सेक्शन में जाकर प्रमाण पत्र के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को रजिस्ट्रेशन फॉर्म में कुछ वांछित जानकारियां दर्ज करनी होगी। सफलतापूर्वक फॉर्म सबमिट करने के पश्चात बुधवार को जिला चिकित्सालय में आधार कार्ड, फोटो व अन्य वांछित दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर आवेदक दिव्यांगजन प्रमाण पत्र हेतु अग्रिम कार्यवाही पूर्ण कर अपना प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकता है। ऑनलाइन दर्ज 15 आवेदकों को एक दिन पूर्व सूचना भी दी जाएगी ताकि दिव्यांगजनों का प्रमाण पत्र सुगमता पूर्वक निर्मित हो सकें।

भारत में 40 साल से नहीं हुआ जो कारनामा क्या वो कारनामा कर पाएगा इंग्लैंड

» कीर्तिमान रचने का शानदार मौका

नई दिल्ली,10जनवरी 2025। टीम इंडिया अपने घर में इंग्लैंड की मेजबानी करने के लिए तैयार है। दोनों टीमों के बीच 22 जनवरी से टी20आई सीरीज का कोलकाता में आगाज होगा। टी 20आई सीरीज के तहत 5 मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज खेली जाएगी। 3 मैचों की वनडे सीरीज का 6 फरवरी से आगाज होगा। पहला वनडे मैच नागपुर में खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें कटक में दूसरे वनडे मैच में भिड़ेंगी। वहीं, सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 12 फरवरी को खेला जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी के लिहाज से ये वनडे सीरीज दोनों ही टीमों के लिए काफी अहम होने वाली है। इस वनडे सीरीज के खत्म होने के लगभग एक सप्ताह बाद ही चैंपियंस ट्रॉफी का 19 फरवरी से आगाज हो जाएगा। ऐसे में दोनों टीमों के लिए तैयारी के लिहाज से 3 मैचों की वनडे सीरीज काफी महत्वपूर्ण होगी।

इंग्लैंड के सामने बड़ी चुनौती

भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे में हेड टू हेड रिकॉर्ड की बात की जाए तो इंग्लिश टीम का पलड़ा कमजोर नजर आता है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 107 वनडे मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें 58 बार भारत जीता है जबकि 44 बार इंग्लैंड ने बाजी मारी है। 3 मैच बेनतीजा रहे जबकि 2 मैच टाई रहे हैं। भारतीय सरजमीं पर इंग्लैंड का वनडे रिकॉर्ड बेहद खराब है। इंग्लैंड की टीम भारत में 40 साल से एक भी वनडे सीरीज नहीं जीत सकी है। इस दौरान 2 वनडे सीरीज बराबरी पर खत्म हुई हैं लेकिन इंग्लैंड सीरीज नहीं जीत सकी है। बता दें, भारतीय सरजमीं पर इंग्लैंड ने आखिरी वनडे सीरीज साल 1984-85 में जीती थी। तब से अब तक 40 साल का लंबा समय बीत चुका है लेकिन इंग्लैंड भारत में एक भी वनडे सीरीज अपने नाम नहीं कर सका है। हालांकि इस बार इंग्लैंड के पास इस सूखे को खत्म करने का शानदार मौका होगा क्योंकि टीम इंडिया ने लंबे समय से वनडे सीरीज नहीं खेली है। पिछले साल सिर्फ टीम इंडिया ने श्रीलंका के खिलाफ एकमात्र वनडे सीरीज खेली थी। इस सीरीज में 3 मुकाबले खेले गए थे और टीम इंडिया 0-2 से सीरीज बुरी तरह से हार गई थी। 27 साल बाद श्रीलंका ने वनडे सीरीज में टीम इंडिया को हराने में सफलता हासिल की थी।

भारत बनाम इंग्लैंड ओडीआई सीरीज का पूरा शेड्यूल (3 वनडे)

भारत बनाम इंग्लैंड, पहला ओडीआई: 06 फरवरी 2025, नागपुर (विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम)

भारत बनाम इंग्लैंड, दूसरा ओडीआई: 09 फरवरी 2025, कटक (बाराबाती स्टेडियम)

भारत बनाम इंग्लैंड, तीसरा ओडीआई: 12 जनवरी 2025, अहमदाबाद (नरेंद्र मोदी स्टेडियम)

श्रीलंका दौरे के लिए मंजूरी मिलना सपना सच होने जैसा है: कोनोली

मेलबन,10जनवरी 2025। युवा ऑलराउंडर कूपर कोनोली ने कहा कि श्रीलंका के आगामी टेस्ट दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में उनके चयन की खबर को वह कभी नहीं भूल पायेंगे क्योंकि यह सपना सच होने जैसा है।कोनोली ने कहा, 21 साल की उम्र में मैं ऑस्ट्रेलिया के लिए कुछ वनडे और एक टी20 मैच खेलकर खुश होता। लेकिन श्रीलंका जाने के लिए मंजूरी मिलने का मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा था। यह एक बहुत अच्छा समूह है, कोचिंग स्टाफ अद्भुत है, और मुझे लगता है कि मैं बहुत कुछ सीखने जा रहा हूं।कोनोली ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ़ पर्थ स्कॉर्चर्स के मैच से पहले एससीजी में संवाददाताओं से कहा, मैंने टोनी डोडेमेडे का नाम देखा और सोचा कि शायद यही एक चीज़ हो सकती है। (यह) एक अच्छा फ़ोन कॉल था, मैंने सीधे जाकर माँ और पिताजी से कहा, मां रोने वाली थी। मैं उस पल को कभी नहीं भूलूंगा। मेरा सपना सच हो गया।

मलेशिया ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

» प्रणय का सफर हुआ समाप्त

नई दिल्ली,10जनवरी 2025। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने मलेशिया सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया लेकिन एच एस प्रणय दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गये। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 43 मिनट तक चले राउंड 16 मुकाबले में मलेशिया के एन अजरिन और टान डब्ल्यूके को 21-15 21-15 से शिकस्त दी। अब क्वार्टरफाइनल में सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का सामना यिउ सिन ओंग और ऐ यि टियो की स्थानीय प्रबल दावेदार जोड़ी से होगा।

सरी तरफ, प्रणय पुरुष एकल के दूसरे दौर में चीन के लि शि फेंग से हारकर बाहर हो गए। भारत के 32 साल के खिलाड़ी को एक घंटे 22 मिनट तक चले मैच में सातवें वरीय लि से 8-21, 21-15, 21-23 से हार मिली। मालविका बंसोड को महिलाओं के राउंड 16 में चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त और दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी हान युए से 18-21 11-21 से शिकस्त मिली। इससे पहले

त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी को राउंड 16 मैच में चीन की जिया यि फान और झांग शु जियान से 21-15, 19-21, 19-21 से पराजय झेलनी पड़ी।

ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो को मिली हार

मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी को 44 मिनट में चीन की चेंग जिंग और झांग चि की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से 13-21, 20-22 से शिकस्त मिली। सतीश करूणाकरन और आद्या वरियथ की एक अन्य मिक्स्ड डबल्स जोड़ी को मलेशिया के सून हुआर गोह और शेवोन जेमी लाई से 10-21 17-21 से हार मिली। इससे पहले एच एस प्रणय और उभरती हुई शटलर मालविका बंसोद ने 8 जनवरी को मलेशिया ओपन में क्रमश- पुरुष और महिला एकल के शुरूआती मुकाबले जीतकर प्री क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। वहीं, भारत के लिए तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला तथा सतीश कुमार कुरूणाकरन और आद्या वरियथ की जोड़ी ने भी सुपर 1000 टूर्नामेंट के मिश्रित युगल प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। छत से पानी टपकने के कारण देर से हुए मुकाबले में प्रणय ने कनाडा के प्रतिद्वंद्वी ब्रायन यांग को एक घंटे 29 में 21-12, 17-21, 21-15 से शिकस्त दी।

टीम इंडिया के सुपरफास्ट तेज गेंदबाज ने रिटायरमेंट का ऐलान कर चौंकाया

नई दिल्ली,10जनवरी 2025। भारतीय क्रिकेट में पिछले कुछ समय में लगातार प्लेयर्स रिटायरमेंट का ऐलान कर रहे हैं, जिसमें अब इस लिस्ट में तेज गेंदबाज वरुण आरोन का नाम भी जुड़ गया है। अपनी गेंदों की रफ्तार से बल्लेबाजों में खौफ पैदा करने वाले वरुण ने 10 जनवरी को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से अपने रिटायरमेंट लेने की जानकारी फैंस को दी। वरुण का इंटरनेशनल करियर अधिक लंबा नहीं रहा जिसमें उन्हें टीम इंडिया की तरफ से 9 टेस्ट और 9 ही वनडे मैच खेलने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला साल 2015 में खेला था।

वरुण आरोन को अपने करियर में चोटों से काफी जूझना पड़ा

वरुण आरोन को लेकर बात की जाए तो साल 2010-11 में हुई विजय हजारे ट्रॉफी में अपनी गेंदों की रफ्तार के चलते उन्हें पहचान मिली थी, जिसमें उन्होंने इस टूर्नामेंट में 150 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की गति से गेंदबाजी की थी। इसके बाद साल 2011 में वरुण को इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू का भी मौका मिला लेकिन लगातार चोटिल होने की वजह से वह टीम में अधिक लंबे समय तक अपनी जगह को पक्का करने में कामयाब नहीं हो सके। वरुण ने 9 टेस्ट मैचों में जहां 52.61 के औसत से 18 विकेट हासिल किए तो वहीं 9 वनडे मैचों में वह 38.09 के औसत से 11 विकेट अपने नाम करने में कामयाब रहे। इसके अलावा वरुण का आईपीएल में भी जलवा देखने को मिला है जिसमें उन्होंने कुल 52 मैचों में खेलते हुए 33.66 के औसत से कुल 44 विकेट हासिल किए।

मुझे अपने करियर के दौरान कई खतरनाक इंजरी से वापसी करनी पड़ी

अपने रिटायरमेंट का आधिकारिक ऐलान करने के साथ वरुण आरोन ने सोशल मीडिया पर किए अपने पोस्ट में लिखा कि मैंने तेज गेंदबाजी को रोमांच को पिछले 20 अच्छे से जीया है। मैं अपने फैंस का शुक्रिया अदा करता हूं और क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से आधिकारिक तौर पर अपने रिटायरमेंट का भी ऐलान करता हूं। मेरा यहां तक का सफर परिवार, दोस्तों, सपोर्ट स्टाफ और आप सभी के बिना पूरा नहीं हो सकता था। मुझे अपने करियर के दौरान कई खतरनाक इंजरी से जूझना पड़ा लेकिन नेशनल क्रिकेट अकेडमी के फीजियो, ट्रेनर्स और कोचों के बिना वापसी करना मेरे लिए संभव नहीं होता तो मैं उनका भी शुक्रिया अदा करता हूं।

स्मिथ ने अपनी कप्तानी वापसी पर कहा,अब मैं थोड़ा अधिक आराम महसूस कर रहा हूं

नई दिल्ली,10जनवरी 2025। अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा कि नियमित कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में गॉल में दो टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व करने के अवसर को लेकर वह थोड़ा अधिक आराम महसूस कर रहे हैं।श्रीलंका के दो मैचों के दौरे के लिए स्मिथ को टेस्ट कप्तान बनाया गया है क्योंकि नियमित कप्तान कमिंस अपने दूसरे बच्चे के जन्म और हाल ही में टखने की चोट के कारण इस दौरे से बाहर रहेंगे।स्मिथ ने सिडनी सिक्सर्स के लिए अपने बीबीएल मैच से पहले सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड को बताया, जब पैटी (कमिंस) यहां नहीं हैं, तो मुझे कमान संभालने का कोई भी मौका मिलना मजेदार है। मैं अभी भी अपने तरीके से काम करने की कोशिश करता हूं। यहां-वहां कुछ अवसर मिलना अच्छा रहा।यह एक अच्छा दौरा होने वाला है। मुझे लगता है कि मैं स्पिन और उपमहाद्वीप को कोणों और क्या होने की जरूरत है, के मामले में अच्छी तरह समझता हूं। साथ ही, खेल की गति जिसे निश्चित समय पर खेला जाना चाहिए।उन्होंने कहा, मैं शायद अब थोड़ा और आराम से हूं। मैं काफी शांत हूं। मैं बस इसका आनंद लूंगा।

कुहनेमैन ने ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में वापसी का श्रेय तस्मानिया को दिया

नई दिल्ली,10जनवरी 2025। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन ने घरेलू क्रिकेट सर्किट में तस्मानिया में शामिल किए जाने को आगामी श्रीलंका दौरे के लिए टेस्ट टीम में वापसी का श्रेय दिया है।कुहनेमैन ने 2023 की शुरुआत में भारत दौरे पर तीन टेस्ट खेले थे और एक बार पांच विकेट भी लिए थे। लेकिन उसके बाद, उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा और उन्होंने 2023/24 शेफील्ड शील्ड सीजन बिना किसी मैच के ही खेल लिया, क्योंकि क्वींसलैंड ने लेग स्पिनर मिशेल स्वेप्सन को अपना मुख्य स्पिनर बना लिया था।परिणामस्वरूप, कुहनेमैन 2024/25 सीजन से पहले तस्मानिया चले गए और छह शेफील्ड शील्ड मैचों में खेले, जिसमें उन्होंने 18 विकेट लिए - जिनमें से नौ विकेट होबार्ट में उनके नए घरेलू मैदान पर आए, जो स्पिनरों के लिए चुनौतीपूर्ण स्थान है।इससे ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं को श्रीलंका के दो मैचों के दौरे के लिए कुहनेमन को चुनने के लिए प्रेरित किया, जहां वह नाथन लियोन, टॉड मर्फी और कोरी रोचिचियोली के साथ स्पिन विभाग का हिस्सा होंगे।मैंने तस्मानिया जाने के लिए थोड़ा त्याग किया, और मुझे यह अवसर देने के लिए मैं तस्मानिया का बहुत आभारी हूं। यह अजीब है कि क्रिकेट कैसे काम करता है, अगर आपने मुझसे कुछ साल पहले पूछा होता, तो मैं तस्मानिया में होता और फिर ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका दौरे पर जाता तो मैं बहुत खुश होता।कुहनेमैन ने शुक्रवार को सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा, यह सब यात्रा का हिस्सा है। जब भी आपको ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ दौरे का मौका मिलता है, तो आप उसे हमेशा याद रखते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका दौरे की तैयारी के लिए वह भारत में खेलने के अपने अनुभवों पर भरोसा करेंगे, लेकिन कुहनेमैन को लगता है कि अगर जरूरत पड़ी तो वह और कॉनॉली गॉल में एक ही प्लेइंग इलेवन में खेल सकते हैं।उन्होंने कहा, हम अलग-अलग तरह की गेंदबाजी करते हैं - जाहिर है कि हम दोनों बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स गेंदबाज हैं, लेकिन ... मैं शायद थोड़ा चौकोर (विकेट के बारे में) हो गया। भारत की अपनी पहली यात्रा से मैं कई तकनीकी चीजें सीख सकता हूं, लेकिन मैदान के बाहर भीड़ के दबाव और अपेक्षाओं से निपटना सबसे बड़ी बात है। मुख्य बात यह थी कि मैं अपनी भूमिका निभाऊं और इसे ज़्यादा न करूं, आपको कुछ ऐसी परिस्थितियां मिलती हैं जो आपके अनुकूल होती हैं, इसलिए यह जितना संभव हो उतना सटीक होने के बारे में है। मैं गेंद के आने के तरीके और अपने खेल से वास्तव में खुश हूं।

पाताल लोक 2 का टीजर जारी

हाथीराम चौधरी बन लौट रहे जयदीप अहलावत

पाताल लोक सीजन 2 का मोस्ट अवेटेड टीजर रिलीज कर दिया गया है जिसमें फैंस को जयदीप अहलावत के कैरेक्टर की एक झलक मिली। पुलिस ऑफिसर के रोल के लिए पहचाने जाने वाले हाथी राम को नए सीजन में और भी गहरे और खतरनाक वास्तविकताओं का सामना करना पड़ेगा है, जो अपराध, साजिश और भ्रष्टाचार की

दुनिया में गहराई से उतरने का वादा करता है। पहले सीजन का प्रीमियर मई 2020 में हुआ जो अहलावत के शानदार प्रदर्शन और अपनी गहरी कहानी के चलते दर्शकों के बीच बहुत फेमस हो गया और दर्शक तब से ही दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।तो खेल खत्म, ऐसा थोड़ा ना होता है पाताल लोक में.पाताल लोक 2 के टीजर में हमें जयदीप अहलावत के कैरेक्टर को देखने का मौका मिलता है। जिसमें वह लिफ्ट में जाते हुए कहते हैं, एक कहानी सुनाऊं, एक गांव मे एक आदमी रहता था जिसे कीड़ों से नफरत थी, कहता था सारी बुराईयों की जड़ कीड़े हैं फिर एक दिन उसके घर के कोने से एक कीड़ा निकला जिसने उस आदमी को काट लिया लेकिन हिम्मत करके उस आदमी ने उस कीड़े को मार दिया बस फिर क्या था बंदा पूरे गांव का हीरो बन गया सबने उसे सर आंखों पर बैठा लिया। अगली कई रातें वह चैन से मुस्कुराते हुए सोया। फिर एक सुनसान रात में उसके बिस्तर के नीचे अनगिनत कीड़े थे। उसे क्या लगा था एक कीड़े को मार दिया। इसके बाद टीजर खत्म हो जाता है लेकिन टीजर में जयदीप का लुक काफी खतरनाक है जो दर्शकों के बीच एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। पाताल लोक सीजन 2 जो 17 जनवरी से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए अवेलेबल होगा। हाथी राम और उनकी टीम के जीवन को गहराई से देखने के लिए तैयार हो जाइए। यह शो अपनी डार्क और सीरीयस कहानियों को लेकर फेमस है। अहलावत के अलावा सीजन 2 में इश्वाक सिंह, तिलोत्तमा शोम और गुल पनाग जैसे नए कलाकार शामिल हैं।

नेगेटिव किरदार नए प्रयोग करने की स्वतंत्रता देते हैं:रेवा कौरसे

टीवी शो दीवानियत' में अलीशा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री रेवा कौरसे ने बताया कि नकारात्मक भूमिकाएं आपको प्रयोग करने की स्वतंत्रता देती हैं, जो आमतौर पर सकारात्मक किरदारों में नहीं होती।रेवा ने कहा, एक कलाकार के तौर पर अलीशा का किरदार निभाना मेरे लिए एक रोमांचक अनुभव रहा है। वह कई परतों वाली एक जटिल भूमिका है और उसके डार्क पक्ष को तलाशना चुनौतीपूर्ण और फायदेमंद दोनों रहा।अभिनेत्री ने कहा, नकारात्मक भूमिकाएं आपको भावनाओं के साथ प्रयोग करने की स्वतंत्रता देती हैं, जो आमतौर पर सकारात्मक किरदारों में नहीं होती। बता दें, दीवानियत की मौजूदा कहानी में रेवा अलीशा का किरदार निभा रही हैं। धारावाहिक को काफी पसंद किया जा रहा है। कई ट्विस्ट कहानी में आ रहे हैं। ताजा एपिसोड में अलीशा का देव (मुख्य किरदार) के प्रति जुनून हताशा में बदलता दिख रहा है। देव और मन्नत के बीच के बंधन को स्वीकार करने में असमर्थ अलीशा देव का प्यार जीतने की चाह में जोड़े के बीच दरार पैदा करने की ठान लेती है।

विदामुयार्ची की रिलीज डेट टली

नए साल पर अजित कुमार के फैंस को बड़ा झटका लगा है। अभिनेता की बहुप्रतीक्षित फिल्म विदामुयार्ची को आखिरी वक्त में स्थगित कर दिया गया है। यह फिल्म पहले 10 जनवरी को बड़े धूमधाम से रिलीज होने वाली थी। अजित कुमार के प्रशंसक इस फिल्म के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हालांकि, 31 दिसंबर की रात को फिल्म के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि कुछ अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण इस फिल्म को बाद में रिलीज किया जाएगा।लाइका प्रोडक्शंस ने अपने बयान में कहा, अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण हमारी फिल्म विदामुयार्ची अब पोंगल के दिन रिलीज नहीं होगी। हम अपने सभी फैंस और शुभचिंतकों को नए साल के लिए शुभकामनाएं देते हैं। इस पोस्ट में फैंस को यह भी भरोसा दिलाया कि दर्शकों का इंतजार सार्थक होगा।10 जनवरी का दिन किसी भी बड़ी बजट वाली फिल्म के लिए आदर्श रिलीज डेट माना जाता है, क्योंकि पोंगल और संक्रांति के आसपास होने के कारण फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर बेहतर प्रदर्शन के लिए लंबा वीकेंड मिलता है। अब देखना दिलचस्प होगा कि इस तारीख पर रिलीज न होने से विदामुयार्ची पर कितना असप पड़ता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ समझौते संबंधी मुद्दों की वजह से निर्माताओं को इस फिल्म को स्थगित करने का फैसला लेना पड़ा। मगीज थिरुमेनी के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक एक्शन थ्रिलर है। इसमें अजित कुमार के अलावा तृषा कृष्णन और अर्जुन सरजा मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, आरव, रेजिना कैसांद्रा, राम्या सुब्रमण्यम और निखिल नायर सहायक कलाकारों में शामिल हैं। फिल्म को अपने संगीत से अनिरुद्ध रविचंदर ने सजाया है। सिनेमेटोग्राफर ओम प्रकाश और संपादक एनबी श्रीकांत फिल्म की तकनीकी टीम का हिस्सा हैं।

छत्तीसगढ़ में बनेंगे 3 लाख 3 हजार से अधिक पीएम आवास

» सर्वे में नाम छूटने वालों को ऐप से मिलेगी सहायता।

» बाइक वालों और लखपति दीदी को भी मिलेगा लाभ

रायपुर,10 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में 3 लाख 3 हजार से अधिक पीएम आवास का निर्माण कराए जाएंगे। नागपुर में मोर आवास मोर अधिकार कार्यक्रम में केंद्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ये घोषणा की। सिंह ने स्वीकृति पत्र मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को मौके पर सौंप दिया। आवास प्लस योजना में जिसके भी नाम छूट गए हैं, उनका सर्वे शुरू किया जा रहा है। अगले वित्तीय वर्ष में 3 लाख 3 हजार मकान और बनाएंगे। कोई भी गरीब मकान से वंचित नहीं रहेगा। 21 मार्च से पहले तक सर्वे करने के निर्देश दिए गए हैं।

सर्वे में नाम छूटने पर करें ये काम

जिनका नाम सर्वे में छूट जाता है उसके लिए एक एप लांच किया गया है। जिसमें हितग्राही अपना आधार नंबर डालेगा, फोटो खींचेगा। पीएम आवास का जो भी फार्मेट होगा, उसमें ओके होने के बाद सर्वे किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने पीएम आवास योजना को रोक रखा था। मोदी की गारंटी को डबल इंजन की सरकार पूरा कर रही है।

लखपति दीदी और 5 एकड़ की जमीन वालों को भी लाभ

शिवराज ने कहा कि दोपहिया वाहन चालकों को भी प्रधानमंत्री आवास देंगे। जिन किसानों के पास ढाई एकड़ सिंचित, पांच एकड़ असिंचित जमीन है, उनको भी मकान दिया जाएगा। लखपति दीदी योजना में जिन दीदीयों की मानसिक आमदनी 25 हजार महीने तक होगी उन्हें भी आवास योजना का लाभ दिया जाएगा।

विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए खोला शासकीय सेवा का पिटारा

रायपुर,10 जनवरी 2025(ए)। . मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए शासकीय सेवा का पिटारा खोल दिया है। विभिन्न विभागों के रिक्त पदों के लिए भर्ती परीक्षा एवं प्रवेश परीक्षाओं के लिए छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) ने 2025 के लिए कैलेंडर जारी कर दिया है। व्यापम द्वारा जारी किए गए वार्षिक कैलेंडर में 32 से अधिक परीक्षाओं की संभावित तिथियां दी गई हैं, जिसमें उप अभियंता, सहायक सांख्यिकी अधिकारी, मत्स्य निरीक्षक, एडीईओ से लेकर पुलिस कांस्टेबल, स्टॉफ नर्स, वार्ड ब्वॉय तक के पद शामिल हैं। ये परीक्षाएं 09 मार्च 2025 से शुरू हो कर 21 दिसम्बर 2025 तक चलेंगी। संचालनालय कृषि विभाग के अंतर्गत जिनमें प्रयोगशाला सहायक 09 मार्च 2025 और सहायक सांख्यिकी अधिकारी 13 अप्रेल 2025, संचालनालय मछली पालन विभाग के अंतर्गत मत्स्य निरीक्षक 23 मार्च 2025, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत उप अभियंता (सिविल एवं वि/यां.), तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत पी.पी.टी. और प्री.एम.सी.ए. का 01 मई, पी.ई.टी. एवं पी.पी.एच.टी. की परीक्षाएं 08 मई 2025 को होगी। पीएटी-प्रीव्हीपीटी 15 मई, प्रीबीएड एवं प्रीडीएलएड 22 मई, बीएससी नर्सिंग 29 मई, एमएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक नर्सिंग की परीक्षाएं 05 जून 2025 को होगी। इसी प्रकार सहायक विकास विस्तार अधिकारी 15 जून, नगर सैनिक का 22 जून 2025 को परीक्षा संभावित है। लोक निर्माण विभाग में उप अभियंता (सिविल) एवं उप अभियंता (विद्युत/यांत्रिकी) पदों के लिए परीक्षा तिथि 13 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। इसी प्रकार जल संसाधन विभाग में उप अभियंता (सिविल) एवं उप अभियंता (विद्युत/यांत्रिकी) पद के लिए परीक्षा 20 जुलाई, आयुक्त आबकारी में आबकारी आरक्षक पद के लिए 27 जुलाई, उच्च शिक्षा संचालनालय में प्रयोगशाला परिचारक पद के लिए परीक्षा 03 अगस्त, मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग में डार्करूम असिस्टेंट, पेस्टिंग बॉय, ऑग्जीलरी, इंकमैन/इंकर, जूनियर बाईडर, हमाल, सफाई कर्मचारी, चौकीदार, भृत्य, हेल्पर (समूह-6) पदों के लिए परीक्षा 31 अगस्त तथा छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) एवं 06 जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में कनिष्ठ प्रबंधक-(2) (कंसट्रक्शन, मेंटनेंस), उप प्रबंधक (उपयंत्री), कनिष्ठ प्रबंधक संवर्ग (कृषि विशेषज्ञ), कनिष्ठ प्रबंधक-(2), (आईटी, प्रोग्रामर), कनिष्ठ संवर्ग (आईटी विशेषज्ञ), उप प्रबंधक (प्रोग्रामर) एवं सहायक प्रबंधक (सहायक प्रोग्रामर) पदों की परीक्षा तिथि 7 सितम्बर 2025 निर्धारित की गई है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

सीएम विष्णुदेव साय ने गौमाता की तस्करी करने वालों को दी कड़ी चेतावनी

रायपुर,10 जनवरी 2025(ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर में गौमांस बिक्री के आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद कड़ा बयान दिया। उन्होंने गौमाता की तस्करी करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि यह न केवल गंभीर अपराध है, बल्कि यह सनातन आस्था और सामाजिक सद्भाव को गहरा आघात पहुंचाने वाला कृत्य है। उन्होंने अपराधियों से कहा, या तो सुधर जाएं या छत्तीसगढ़ छोड़ दें। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस तरह के अपराधियों के लिए प्रदेश में कोई जगह नहीं है।

नगरीय निकाय चुनाव अब ईवीएम से कराने की तैयारियां शुरू

नियमों में होगा बदलाव

रायपुर,10 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने नगरीय निकाय चुनावों को ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) के जरिए कराने का निर्णय लिया है। मीडिया से चर्चा में उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया की इसके लिए चुनाव आयोग द्वारा तैयारियां शुरू कर दी हैं। अब प्रदेश में सभी शहरी निकायों के चुनावों में मतदान ईवीएम के जरिये कराया जाएगा।

मुठभेड़ में आईईडी एक्सपर्ट समेत तीन हार्डकोर नक्सली हुए ढेर

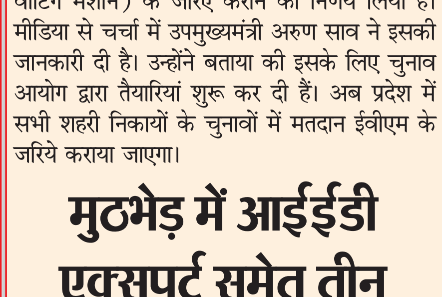

सुकमा,10 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों की कायराना हरकतों के बीच सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। पालीगुड़ा-गुंडराजगुड़ेम इलाके में हुई मुठभेड़ के बाद सर्च ऑपरेशन में तीन नक्सलियों के शव बरामद किए गए। इनमें दक्षिण बस्तर डिवीजन एवं पीएलजीए बटालियन क्रमांक 1 का आईईडी एक्सपर्ट महेश के साथ माडवी नवीन उर्फ कोसा एसीएम पश्चिम बस्तर, अलवम भीमा एसीएम जोनागुडा के रूप में पहचान हुई है।

कुसुम प्लांट प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर

» 30 घंटे बाद भी नहीं उठाई जा सकी गिरी चिमनी

मुंगेली,10 जनवरी 2025(ए)। रायपुर-बिलासपुर हाईवे पर सरगांव के पास स्थित कुसुम स्मेल्टर्स में हुए भीषण हादसे को लेकर पुलिस ने प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। हादसे के जिम्मेदारों में प्लांट इंचार्ज अमित केड़िया, ऑपरेशन मैनेजर अनिल प्रसाद, प्रबंधन एवं अन्य के नाम शामिल हैं। इन पर दुर्घटना और उपेक्षापूर्ण कार्य करने की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस इस हादसे की जांच में जुटी है।

रेस्क्यू ऑपरेशन में लापरवाही का आरोप

घटना के 30 घंटे बाद भी गिरी हुई चिमनी को अब तक हटाया नहीं जा सका है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान साइलो स्ट्रेचर फेलिय जैसी गंभीर लापरवाहियां उजागर हुई हैं। बिना सुरक्षा उपकरण के श्रमिकों से काम कराया जा रहा है, जिससे आगे भी नए हादसों की आशंका बनी हुई है।

मलबे में फंसा इंजीनियर जयंत साहू के परिजनों का गुस्सा

वहीं मलबे में फंसे इंजीनियर जयंत साहू के परिजनों ने संयंत्र प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाये हैं। उनका कहना है कि, घटना के बाद भी परिजनों को नहीं दी गई सूचना। परिजनों को गुमराह करते रहे प्लांट प्रबंधन और प्रशासन। परिजनों ने कहा कि, बिना सुरक्षा उपकरण के काम कराए जाने की बात घर में बताता था जयंत। घर में कमाने वाला नहीं है कोई दूसरा सदस्य। मृतक जयंत के हैं दो मासूम बच्चे। परिजनों ने कहा कि, सरकार परिवार की करे परवरिश और पत्नी को दे नौकरी। बिलासपुर के सरकंडा में किराए के मकान में रहता था जयंत।

कस्टम मिलिंग से बचा हुआ धान नीलाम करेगी सरकार

मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक में फैसला

रायपुर,10 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी और कस्टम मिलिंग के बाद बचे धान को नीलाम करने का निर्णय मंत्रिमंडलीय उप समिति ने लिया है। बैठक में मंत्री-मंडलीय उप समिति के सदस्य कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन तथा सहकारिता मंत्री केदार कश्यप और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल शामिल हुए। बताया गया है कि अनुमानित 160 से 165 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी होगी। केन्द्रीय और राज्य पूल में 125 लाख मीट्रिक टन धान का निष्पादन हो सकेगा। लगभग अतिशेष 40 लाख मीट्रिक टन धान की नीलामी के लिए निविदा प्रक्रिया पर विचार-विमर्श किया गया। धान खरीदी के बाद फरवरी के दूसरे सप्ताह में नीलामी की प्रक्रिया शुरू करने के निर्णय पर सहमति बनी है। अंतिम निर्णय मंत्रिपरिषद् की बैठक में तय होगा।

मिशन अस्पताल की तोड़-फोड़ पर हाई कोर्ट की रोक

» क्रिश्चियन वूमन बोर्ड ऑफ मिशन ने लगाई है याचिका

बिलासपुर,10 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने बिलासपुर के मिशन अस्पताल परिसर स्थित भवन में तोड़-फोड़ की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। एक दिन पहले ही कमिश्नर कोर्ट के आदेश के बाद निगम का अमला 10 बुलडोजरों के साथ अस्पताल कैंपस में बने भवनों को ढहाने की कार्रवाई शुरू की थी। मामले में क्रिश्चियन वूमेन बोर्ड ऑफ मिशन के अलावा एक अन्य की से लगाई गई याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए जस्टिस बीडी गुरु की सिंगल बेंच ने निगम की जमींदोज करने की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। याचिकाकर्ता की ओर से हाईकोर्ट को बताया गया कि संभाग आयुक्त के न्यायालय से अपील खारिज होने के बाद सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन पुनर्वास विभाग से अपील की गई थी, जहां मामला पेंडिंग है. इसके बावजूद तोडफ़ोड़ की कार्रवाई की गई। जस्टिस बीडी गुरु की सिंगल बेंच ने 15 दिनों में सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन पुनर्वास विभाग को अपील का निराकरण करने कहा है, साथ ही अपील के निराकरण तक तोडफ़ोड़ की कार्रवाई स्थगित रखने का आदेश जारी किया है।

5 अधिकारी बने आईजी और 7 डीआईजी

रायपुर,10 जनवरी 2025(ए)। डीपीसी के बाद राज्य के आईपीएस अधिकारियों का प्रमोशन हुआ है। अपने 18 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने पर 2007 बैच के 5 आईपीएस अफसरों की आईजी रैंक पर पदोन्नति हुई है। इनमें सीबीआई में डेपुटेशन पर पदस्थ जितेंद्र सिंह मीणा को प्रोफार्मा प्रमोशन दिया गया है। वहीं, 2011 बैच के 7 अधिकारियों को डीआईजी रैंक पर और 2012 बैच के 8 आईपीएस अफसरों को एसएसपी रैंक पर प्रमोशन दिया गया है।

एचसी का न्यायिक अधिकारियों को निर्देश

संपत्ति विवरण प्रस्तुत करें

बिलासपुर,10 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने राज्य में कार्यरत 526 न्यायिक अधिकारियों को अपनी संपत्तियों का पूरा विवरण समय पर प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। रजिस्ट्रार जनरल (विजिलेंस) आलोक कुमार ने इस संबंध में सभी जिलों के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को पत्र जारी किया है। इसमें निर्देश दिया गया है कि न्यायिक अधिकारी अपनी चल-अचल संपत्तियों का विवरण निर्धारित प्रारूप में जमा करें।

पत्र के अनुसार, सभी न्यायिक अधिकारियों को 31 दिसंबर 2024 तक अर्जित संपत्तियों का विवरण तैयार करना होगा। इसे 28 फरवरी 2025 तक हाई कोर्ट के ईमेल के साथ-साथ पंजीकृत डाक के माध्यम से हार्ड कॉपी में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने अधीनस्थ अधिकारियों से संपत्ति विवरण प्राप्त कर उसकी जांच करें और तय समयसीमा के भीतर हाई कोर्ट को भेजें। किसी भी न्यायिक अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से हाई कोर्ट में संपत्ति का विवरण प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं होगी। प्रक्रिया में चूक होने पर संबंधित जिला एवं सत्र न्यायाधीश को उत्तरदायी ठहराया जाएगा।

न्यायिक अधिकारियों को चल संपत्तियों जैसे जेवरात, बैंक जमा, शेयर, निवेश, एफडी, पीपीएफ, जीपीएफ, एनएसएस, और अन्य वित्तीय संसाधनों के साथ अचल संपत्तियों जैसे जमीन, मकान, आदि का विवरण देना होगा। साथ ही, संपत्तियों को अर्जित करने के स्रोत भी स्पष्ट करने होंगे।

भ्रम फैलाने की आदत है कांग्रेसियों की :अरुण साव

रायपुर,10 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम अरुण साव ने कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। अमरजीत भगत ने राज्य के नगरीय निकायों में आदिवासियों के महापौर पद के आरक्षण को लेकर गंभीर आरोप लगाए थे। पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने कहा था कि राज्य के 14 नगर निगमों में केवल 1 निगम का महापौर पद आदिवासियों के लिए आरक्षित किया गया है। उन्होंने इसे आदिवासी समुदाय के साथ भेदभाव करार दिया। भगत ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आदिवासियों की आबादी 32त्न है, ऐसे में उनके लिए अधिक महापौर पदों का आरक्षण होना चाहिए। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस और उसके नेताओं को आधारहीन बयान देकर भ्रम फैलाने की आदत है। उन्होंने कहा, नगरीय निकायों में आरक्षण आबादी के अनुपात के आधार पर दिया जाता है। आदिवासी समुदाय को उनकी जनसंख्या के अनुसार ही आरक्षण दिया गया है। लेकिन कांग्रेस नेता बेबुनियाद बातें कर जनता को गुमराह कर रहे हैं।÷ अरुण साव ने बातचीत के दौरान प्रदेश में गौमांस तस्करी के खिलाफ सरकार के सख्त रुख को भी दोहराया। उन्होंने बताया कि रायपुर में हाल ही में हुई सख्त कार्रवाई इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। उन्होंने कहा, सरकार गौमांस तस्करी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है और आगे भी यह अभियान जारी रहेगा।÷

निकाय चुनाव,बीजेपी ने की संभागीय संयोजक की नियुक्ति

रायपुर,10 जनवरी 2025(ए)। राज्य में नगरीय निकाय और पंचायत चुनावों की तैयारियां तेज हो गई हैं। हालांकि, चुनाव की तारीखों का ऐलान अभी तक नहीं हुआ है। सरकार ने प्रदेशभर के निकाय और पंचायतों के लिए आरक्षण प्रक्रिया पूरी कर ली है, लेकिन आदर्श आचार संहिता लागू होने की तारीख अब भी स्पष्ट नहीं है। चुनावी सरगर्मी के बीच राजनीतिक दलों ने अपनी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। भाजपा ने कल आठ सदस्यीय समिति का गठन कर चुनाव संचालन की जिम्मेदारी सौंपी। आज पार्टी ने संभागीय संयोजकों के नाम भी तय कर दिए हैं। भाजपा ने चार प्रमुख संभागों की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेताओं को दी है... रायपुर संभाग- सांसद रूप कुमारी चौधरी बस्तर संभाग- विधायक विक्रम उसेंडी दुर्ग संभाग- सांसद संतोष पांडे बिलासपुर संभाग- पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक

सुबोध सिंह को मिला पावर ट्रांसमिशन कंपनी के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार

रायपुर,10 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के उर्जा सचिव और बिजली कंपनियों के चेयरमैन डॉ. रोहित यादव अवकाश पर जा रहे हैं। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह को उनकी जगह उर्जा सचिव और बिजली कंपनियों का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)